मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 28
सोमवार, 04 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महाराष्ट्र सरकार राज्य से मराठी भाषा को खत्म करने की कोशिश कर रही है: उद्धव ठाकरे

मुंबई, 03 अगस्त। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महाराष्ट्र सरकार पर राज्य से मराठी को खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

ठाकरे ने इसके साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे मंत्रियों को बर्खास्त नहीं करने के लिए देवेंद्र फडणवीस को असहाय मुख्यमंत्री करार दिया। मुंबई के बांद्रा स्थित अपने आवास मातोश्री में ठाकरे ने कहा कि हालांकि विपक्ष ने मंत्रियों के भ्रष्टाचार का सबूत दिया था, लेकिन उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

ठाकरे के आवास मातोश्री में शेतकरी क्रांति संगठन का शिवसेना (उबाठा) में विलय हुआ। ठाकरे ने कहा, मैंने पहले कभी इतना असहाय मुख्यमंत्री नहीं देखा। कोई किसी से जवाब नहीं मांग सकता।

विपक्षी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री माणिकराव कोकाटे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे, जिन्हें उस कथित वीडियो के सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा जिसमें उन्हें विधान परिषद में ऑनलाइनह्यरमी खेलते दिखया गया है। इसके बाद कोकाटे को किसानों के बारे में असंवेदनशील

टिप्पणी के लिए भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

बृहस्पतिवार रात कोकाटे को कृषि मंत्रालय से खेल एवं युवा कल्याण विभाग में स्थानांतरित कर दिया गया। शिवसेना (यूबीटी) खासतौर पर अपने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के मंत्रियों संजय शिरसाट, संजय राठौड़ और योगेश कदम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर रही है।

ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। विवाद पर, पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा, सरकार महाराष्ट्र से मराठी को खत्म करने की कोशिश कर रही है। मंत्रालय के पास शिवालय में एक अलग कार्यक्रम में ठाकरे ने कहा, हमें किसी भी से कोई नफरत नहीं है, लेकिन हम पर कोई नहीं थोपें। ठाकरे का इशारा कथित तौर पर कक्षा एक से पांच तक के छात्रों के लिए त्रिनीति और हिंदी थोपने से संबंधित दो विवादास्पद सरकारी प्रस्तावों (जीआर) की ओर था। विभिन्न वर्गों के कड़े विरोध के बाद जीआर वापस ले लिए गए थे।

उद्धव और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने हिंदी के जीआर वापस लिए जाने का जश्न मनाने के लिए पांच जुलाई को एक संयुक्त रैली को संबोधित किया।

किसान सम्मान निधि के तहत उत्तराखंड के किसानों को 3,300 करोड़ रुपये का भुगतान: धामी

उत्तराखंड, 03 अगस्त। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त जारी होने के साथ ही राज्य के किसानों को अब तक 3,300 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को योजना की 20वीं किस्त के तहत देश के 9.70 करोड़ किसानों के खातों में कुल 20,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डिजिटल रूप से अंतरित की। इस कार्यक्रम से डिजिटल तरीके से जुड़े धामी ने कहा कि इसके साथ ही उत्तराखंड के आठ लाख से अधिक लाभार्थी किसान परिवारों को 184.25 करोड़ रुपये की राशि

अंतरित की गई।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत अब तक उत्तराखंड के किसानों को कुल 3,300 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2014 के बाद, देश भर में किसानों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसानों की आय दोगुनी करने और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

धामी ने कहा कि कहा कि प्रमुख फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, फसल को रोगों और कीटों से होने वाले नुकसान के लिए भी सुरक्षा कवच प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के माध्यम से खेतों की मिट्टी की वैज्ञानिक जांच कर किसानों को पोषक तत्वों और आवश्यक उर्वरकों की कमी के बारे में भी जानकारी दी जा रही है, जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता और भूमि की उर्वरता दोनों में सुधार हो रहा है।

अन्नाद्रमुक के सच्चे कार्यकर्ता भाजपा गठबंधन से नाखुश: मुख्यमंत्री स्टालिन

तमिलनाडु, 03 अगस्त। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ द्रविड मुनेष कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने रविवार को प्रतिद्वंद्वी दल अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नए सिरे से गठबंधन करने के लिए निशाना साधा और दावा किया कि पार्टी के सच्चे कार्यकर्ता गठबंधन से खुश नहीं हैं। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने तमिलनाडु को धोखा दिया और इसके बावजूद अन्नाद्रमुक प्रमुख के. पलानीस्वामी ने 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया

और अब अपने राज्यव्यापी अभियान के दौरान झूठ फैला रहे हैं।अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि की सातवीं पुण्यतिथि से पहले पार्टी कार्यकताओं को लिखे पत्र में स्टालिन ने द्रमुक कार्यकताओं और समर्थकों से आग्रह किया कि वे दिवंगत नेता द्वारा प्रचारित तमिल और तमिलनाडु समर्थक मूल्यों को बनाए रखें और अगले वर्ष होने वाले चुनावों में पार्टी की सफलता के लिए कार्य करें, जिससे पार्टी को सातवीं बार सत्ता मिल सके।उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में नहीं है या जहां उसके सत्ता में आने की कोई संभावना नहीं है, वहां भाजपा राज्यपालों के माध्यम से निर्वाचित सरकारों के खिलाफ खिलाफ षड्यंत्र कर रही है। ऐसे मामलों में राज्य विधेयकों को राज्यपाल से मंजूरी दिलाने के मुद्दे पर द्रमुक सरकार ने कानूनी लड़ाई लड़ी और उस पर सफलता प्राप्त की। स्टालिन ने कहा कि ऐसे समय में जब इन संघर्षों को और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है अन्नाद्रमुक ने उस भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया है जो राज्य के साथ विश्वासघात करती है।

ऑक्सीजन क्लब के पंचक्रोशी यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

- **एक पौधा एक मंदिर बना हरित संकल्प**
- **ऑक्सीजन क्लब की पहल में धर्म, सेवा और पर्यावरण का त्रिवेणी संगम**

सुरेश गांधी

वाराणसी। ऑक्सीजन क्लब की पंचक्रोशी यात्रा इस बार केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था, सामाजिक समरसता और पर्यावरण चेतना का जीता-जागता उदाहरण बन गई। ऑक्सीजन क्लब द्वारा आयोजित 85 किमी लंबी इस परिक्रमा यात्रा का समापन रविवार शाम मणिकर्णिका घाट पर भक्तों की गगनभेदी हर-हर महादेव की गूंज के साथ हुआ।

क्लब के सदस्यों के अलावा पूरे मार्ग पर आस्था का अभूतपूर्व

सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त, विशेष रूप से काशी और आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों ने यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया. खास यह है कि यात्रा में महिला-पुरुष, बच्चों और युवाओं ने पूरे जोश और श्रद्धा के साथ पंचक्रोशी परिक्रमा में भाग लिया। यात्रा इस मायने में ऐतिहासिक बन गई कि इसमें धर्म के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण का स्पष्ट संदेश भी दिया गया।

काशी की पंचकोशी परिक्रमा को जब धर्म के साथ पर्यावरण संरक्षण का आधार मिल जाए, तो वह केवल परंपरा नहीं, परिवर्तन बन जाती है। इस बार की यात्रा में उमड़े आस्था के सैलाब ने यह स्पष्ट कर दिया कि जनसहभागिता, सेवा भाव और हरित संकल्पों से भारत की सनातन परंपराएं अब नए युग की ओर बढ़ रहीं हैं?, जहाँ शिव आराधना के साथ धरती माता की सेवा भी अनिवार्य बन चुकी है। काशी की गलियों से निकलती यह हरित परिक्रमा हमें बताती है कि अगर धार्मिक परंपराओं को सामाजिक सरोकार से जोड़ा जाए, तो वे विकास, पर्यावरण और मानवता के नए अध्याय रच सकती हैं। ऑक्सीजन क्लब का यह प्रयास न केवल अनुकरणीय है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्त्रोत भी।

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे विक्रांत दुबे ने बताया कि पंचकोशी यात्रा के दौरान मंदिरों में दर्शन-पूजन के साथ-साथ हर पड़ाव पर पौधरोपण कर ह्लएक पौधा, एक मंदिरह्व का संकल्प पूरा किया गया। श्रद्धालुओं ने 56 देवालयों, 108 शिवलिंगों और 11 विनायक स्थलों पर न केवल मत्था टेका, बल्कि हर स्थल पर हरियाली के बीज भी बोए।

रामेश्वर धाम में वरुणा किनारे हुआ सामूहिक वृक्षारोपण तीसरे पड़ाव रामेश्वर धाम में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में महादेव मंदिर के आसपास बृहद पौधरोपण किया गया। विद्यालयों में बंटेंगे पौधे, बच्चों को संस्कार देने की अनोखी पहल

क्लब ने सावन मास में पंचक्रोशी मार्ग के सभी विद्यालयों में छात्रों को फलदार पौधे वितरित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य भावी पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के संस्कार विकसित करना है।

उच्च न्यायालय का गाजियाबाद में मकानों के ध्वस्तीकरण के नोटिस पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश

इलाहाबाद, 03 अगस्त। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मकानों को ध्वस्त करने के गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के नोटिस के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का जीडीए को निर्देश दिया है।

यह आदेश पारित करते हुए अदालत ने याचिकाकताओं को किसी तीसरे पक्ष का हित करने या विवादित संपत्ति पर कोई विकास करने से भी रोक दिया है। नरेश कुमार और 18 अन्य लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने प्रतिवादियों- जिला प्रशासन और जीडीए को पुराने बाशिंदों के पुनर्वास की योजना पेश करने का समय देते हुए अगली सुनवाई की तिथि 22 अगस्त निर्धारित की है।

पीठ ने 31 जुलाई के आदेश में कहा, इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए हम यह भी पाते हैं कि इस बात में कोई विवाद नहीं है कि याचिकाकर्ता पिछले 40-50 साल से उस स्थान पर काबिज हैं। अदालत ने कहा, इस चरण में हम पाते हैं कि समाज के कमजोर तबके से आने वाले इन बाशिंदों को कुछ राहत दी जानी चाहिए। हम ऐसे लोगों के लिए पुनर्वास की एक योजना तैयार कर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का अधिकारियों को निर्देश देते हैं। इन याचिकाकताओं ने जीडीए द्वारा उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की

धारा 26-ए के तहत 16 जून 2025 को जारी ध्वस्तीकरण का नोटिस रद्द करने के लिए यह रिट याचिका दायर की है। जीडीए ने शुरूआत में सार्वजनिक भूमि (पार्क) पर अवैध रूप से काबिज 172 लोगों को छह सितंबर 2024 को नोटिस जारी किया था। यह स्थान महायोजना में शामिल है। इसके परिणामस्वरूप, 89 लोगों ने अपनी आपत्तियां दाखिल की जिन पर विचार किया गया और अगला आदेश पारित किया गया। इस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता पुराने बाशिंदे हैं और समाज के निचले तबके से आने वाले इन लोगों को यदि किसी पुनर्वास योजना के अभाव में उजाड़ा जाता है तो इन्हें अपूर्णीय क्षति का सामना करना पड़ेगा। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने कहा, ह्लअदालत के पूर्व के आदेश के जवाब में जीडीए ने आज की तिथि तक इन लोगों के पुनर्वास के लिए कोई उपाय नहीं किया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली पुलिस ने पैराग्लाइडर, ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया

दिल्ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त एस.बी.के. सिंह ने स्वतंत्रता दिवस से संबंधित सुरक्षा तैयारियों के मद्देनजर दो अगस्त से 16 अगस्त तक राष्ट्रीय राजधानी के आसमान में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हैंग-ग्लाइडर और हॉट एयर बैलून आदि उड़ाने पर पाबंदी लगा दी है। आदेश के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर, हैंग-ग्लाइडर, ड्रोन, माइक्रोलाइट विमान, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के पावर्ड वायुयान, क्वाडकॉप्टर जैसे हवाई उपकरणों को उड़ाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

मित्रता: रिश्तों की आत्मा और संवेदना की जीवंत सरिता

-ललित गर्ग

मित्रता वह रिश्ता है, जो न रक्त से बंधा होता है, न किसी सामाजिक अनुबंध से, फिर भी यह जीवन का सबसे आत्मीय और मजबूत संबंध होता है। दोस्ती वह भूमि है जहां प्रेम, विश्वास, अपनत्व, समर्पण और संवेदना एक साथ अंकुरित होते हैं। इसी दुर्लभ और विशुद्ध भाव को सम्मान देने के लिए हर वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। मित्रता दिवस का यह दिन केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वह अवसर है जो रिश्तों की आत्मा को पुनः जागृत करने, टूटते संबंधों को जोड़ने और नफरत की दीवारों के बीच मैत्री के पुल बनाने का निमित्त बनता है। यह दिन एक सार्थक प्रयास है, अपने जीवन की भागदौड़ में उस रिश्ते को याद करने का, जिसने हर मोड़ पर हमें संबल दिया, हौसला दिया और मुस्कुराने की वजह दी।

दुनिया के अधिकांश रिश्ते सामाजिक, पारिवारिक या व्यावसायिक जरूरतों से बने होते हैं, लेकिन मित्रता केवल मानवीयता, करुणा और स्नेह की भावना से जन्म लेती है। इसमें न कोई स्वार्थ होता है, न औपचारिकता, न ही प्रदर्शन। यही कारण है कि श्रीकृष्ण-सुदामा, श्रीराम-विभीषण, गांधी-नेहरू जैसे रिश्ते युगों तक मिसाल बनते हैं। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा है-लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वे मित्रता के पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं। आज यही सबसे बड़ा संकट है-मनुष्यता की गिरती दीवारें, रिश्तों की सूखती जमीन, और आत्मीयता की मरती हुई पुकार। एक बड़ा सवाल है कि क्यों सूख रही है रिश्तों की मिट्टी? आज हम तकनीकी रूप से जितने जुड़ चुके हैं, भावनात्मक रूप से उतने ही दूर हो गए हैं। मोबाइल, सोशल मीडिया, आभासी दुनिया ने संवाद को बढ़ाया है पर संपर्क को नहीं, क्योंकि आत्मा से जुड़ाव संवाद से नहीं, संवेदना से होता है।

नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल ह्यरिश्ताह्न नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है, एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है।

दुनिया बदल गई, तौर-तरीके बदल गए, पर दोस्ती की आत्मा आज भी वैसी ही है, शुद्ध, निस्वार्थ और जीवनदायिनी। श्रीकृष्ण और सुदामा की पवित्र मित्रता आज भी यह सिखाती है कि सच्चे दोस्त का मूल्य धन से नहीं, हृदय की आत्मीयता से आंका जाता है। श्रीराम और विभीषण की दोस्ती यह प्रमाण है कि विचारों की भिन्नता के बावजूद दिलों का मेल मित्रता को अमर बना देता है। आज जब रिश्ते स्वार्थों की चौखट पर सिर झुका रहे हैं, तब भी दोस्ती वह रिश्ता है जो बिना किसी अपेक्षा के जीवन को अर्थ देता है। आज की क्षणिक, स्वार्थ पर टिकी दोस्तियां जब टूटती हैं तो व्यक्ति भीतर से बिखर जाता है। तभी किसी विचारक ने कहा था-पहले प्रार्थना करते थे- हे प्रभु! दुश्मनों से बचाना, अब कहना पड़ता है, हे ईश्वर! दोस्तों से बचाना ह्ल क्योंकि अब दोस्ती भी छल-कपट का आवरण ओढ़ चुकी है। जबकि आधुनिक समय में सच्चे मित्र सचमुच जीवन की बांसुरी में बसी आत्माओं के समान अनमोल है। मित्र वही जो जीवन के हर रंग में साथ दे, अंधेरे में दीपक की तरह और उजाले में छांव की तरह। ऐसे मित्र दुर्लभ होते हैं, लेकिन यदि जीवन में एक भी सच्चा मित्र हो तो वह संपत्ति, शक्ति और सुखों से बढ़कर होता है।

आचार्य तुलसी ने मित्रता के लिए जो सात सूत्र दिए, वे आज पहले से अधिक प्रासंगिक हैं-विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय और समन्वय। ये सात सूत्र दोस्ती को सतही नहीं बल्कि आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करते हैं। ये न केवल मित्रता को टिकाऊ बनाते हैं, बल्कि जीवन को भी सकारात्मक दिशा में मोड़ते हैं। दोस्ती के पांच मूलमंत्र हैं-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को बिना शर्त स्वीकार करें। भावनाओं का सम्मान करें और समय दें। रिश्ता हल्का, सहज और मुस्कराहटों से भरपूर हो। पारदर्शिता, ईमानदारी और भरोसे को केंद्र में रखें। दोस्ती को निभाना सीखें, सिर्फ जताना नहीं। इन सूत्रों को अपनाकर हम मित्रता को सिर्फ एक दिवस की औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्तता बना सकते हैं। इसीलिये यदि आज भी कोई रिश्ता है जो समय, दूरी और मतभेद की सीमाएं लांघ सकता है, तो वह सिर्फ दोस्ती है-नवीन युग की पुरातन धरोहर।

विचार-भेद तो स्वस्थ समाज की निशानी हैं, लेकिन मन-भेद समाज को भीतर से खोखला कर देते हैं। क्रांति विचार-भेद से आती है, जबकि विद्रोह मन-भेद से। इसलिए मित्रता केवल भावनाओं की साझा जमीन नहीं, सामाजिक क्रांति की प्रयोगशाला भी बन सकती है। इसीलिये चलो एक बार फिर दोस्त बनें अभियान का सूत्रपात करते हुए जीवन को मुस्कान से भरे। इसके लिये मित्रता दिवस केवल एक संदेश नहीं देता, बल्कि एक पुकार है, जीवन को फिर से रंगीन, मधुर और अर्थपूर्ण बनाने की। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बांहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। हेलेन केलर ने ठीक ही कहा था-ह्लमैं उजाले में अकेले चलने के बजाय अंधेरे में एक सच्चे दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।ह्व इसलिए आइए, इस दिन एक संकल्प लें-कि हम दोस्ती को केवल सोशल मीडिया की पोस्ट नहीं, बल्कि दिल की सच्ची अनुभूति बनाएंगे। हम मित्रता को उपहारों से नहीं, समर्पण, सहयोग और संवेदना से सजायेंगे। क्योंकि दोस्ती ही वह जादुई संवेदना है जो जीवन को भीतर से रोशन करती है, और हमारे अस्तित्व को एक नई परिभाषा देती है। पुरातन काल में जहाँ मित्र धर्म निभाना जीवन-मूल्य था, आज वह धर्म हमारी संवेदनाओं की अंतिम आशा बन गया है। मित्रता अब एक दिन का उत्सव नहीं, जीवन की जरूरत है, जहाँ न कोई दायित्व होता है, न कोई बंधन, सिर्फ अपनापन होता है। चाहे युग बदले या तकनीक, दिलों की दूरी को मिटा सकने की शक्ति केवल सच्ची दोस्ती ही रखती है।

जिसका 'दोस्त' अमेरिका उसे दुश्मन की जरूरत क्या है ?

-तनवीर जाफरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प शांति का नोबल पुरस्कार लेने की फिराक में तो जरूर हैं परन्तु उनके फैसले व बयानों से यही नजर आ रहा है गोया उन्होंने पूरे विश्व को अशांत व विचलित करने का ठेका ले रखा है। खासकर चूँकि वे स्वयं एक व्यवसायी पृष्ठभूमि से सम्बन्ध रखते हैं इसलिये उनके अनेक फैसलों व बयानों में व्यवसायिकता का भाव साफ देखने को मिलता है। इत्तेफाक से यही डोनाल्ड ट्रम्प 2017 से 2021 के अपने पहले कार्यकाल के दौरान झूठ बोलने व भ्रामक दावे करने का भी 'विश्व कीर्तिमान ' बना चुके हैं। अमेरिकी प्रतिष्ठित समाचार पत्र वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में कुल 30,573 झूठे या भ्रामक दावे किए थे। यानी उन्होंने औसतन प्रतिदिन लगभग 21 झूठे दावे किए थे। 2021 में राष्ट्रपति भवन से उनकी बिदाई कितनी हिंसक व शर्मनाक थी यह भी दुनिया ने देखा था।

बहरहाल उनकी दक्षिणपंथी सोच के चलते एक बार फिर अमेरिकी जनता ने उन्हें निर्वाचित कर लिया है। परन्तु इस बार वे कुछ अलग ही 'अवतार ' में नजर आ रहे हैं। जहाँ वे विश्व शांति दूत बनने की फिराक में युद्ध रत देशों के बीच 'युद्ध विराम ' करने वाले एक महान शांतिप्रिय नेता के रूप में स्वयं को स्थापित करना चाह रहे हैं वहीं अपनी व्यवसायिक मानसिकता के कारण वे युद्धग्रस्त देशों को शस्त्रों की आपूर्ति करने में भी पीछे नहीं हैं । इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने इस दूसरे कार्यकाल में 'टैरिफ बम ' छोड़ कर भी अनेक देशों को विचलित कर दिया है। खबरों के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप अब तक 92 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं जो संभवतः 7 अगस्त 2025 से लागू होंगे। विभिन्न देशों पर अलग अलग कारणों से टैरिफ लगाने के अतरिक्त इसी सन्दर्भ में पिछले दिनों उन्होंने भारत व रूस को लेकर जो गैर जिम्मेदाराना बातें कहीं वह पूरी तरह असत्य व असभ्य थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने 30 जुलाई 25 को सोशल मीडिया पर भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को ₹मृत अर्थव्यवस्थाऱ कह डाला। उन्होंने भारत से आयात पर 25% टैरिफ और रूस से तेल व सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए भारत पर अतिरिक्त जुमार्ना लगाने तक की घोषणा कर डाली । यह कदम भारत और रूस के बीच गहरे व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों, विशेष रूप से रूस से भारत के तेल आयात और सैन्य खरीद के कारण उठाया गया। ट्रंप की सोच है कि भारत और रूस के बीच गहरे व्यापारिक और रणनीतिक संबंध अमेरिका के व्यापारिक हितों के खिलाफ हैं। ट्रंप ने भारत और रूस को ब्रिक्स समूह का हिस्सा होने के कारण भी निशाना बनाया, जो अमेरिकी डॉलर को वैश्विक व्यापार में चुनौती देता है।

इसी सन्दर्भ में ट्रंप ने भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी, खासकर रूस से तेल और हथियारों की खरीद को लेकर तंज कसते हुये कहा कि उन्हें परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है, लेकिन दोनों देश अपनी ₹मृत अर्थव्यवस्थाओंऱ को और नीचे ले जा सकते हैं। यह बयान भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर अमेरिका की नाराजगी को दशार्ता है, विशेष रूप से जब अमेरिका, रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहा है। भारत ने भले ही ₹मृत अर्थव्यवस्था बताने पर ट्रंप को कोई माकूल जवाब नहीं दिया परन्तु रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने जरूर ट्रंप को धमकी भरा जबरदस्त जवाब दे दिया। मेदवेदेव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि ट्रम्प को अपनी पसंदीदा फिल्म 'द वॉकिंग डेड' याद करनी चाहिए और यह सोचना चाहिए कि 'डेड हैंड' कितना खतरनाक हो सकता है। दरअसल 'डेड हैंड' शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ की एक स्वचालित परमाणु हथियार नियंत्रण प्रणाली थी, जो बड़े पैमाने पर रूसी नेतृत्व के नष्ट होने पर भी स्वचालित रूप से परमाणु हमला शुरू कर सकती है। मेदवेदेव ने ट्रम्प को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि रूस की ताकत को कम न आंकें। मेदवेदेव की यह चेतावनी ट्रंप के रूस और भारत की अर्थव्यवस्थाओं को ₹मृतऱ करार देने तथा यूक्रेन युद्ध को 10 दिन में समाप्त करने की समय सीमा निर्धारित करने के जवाब में थी।

उधर राष्ट्रपति ट्रंप ने भी पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की डेड हैंड चेतावनी के जवाब में रूस के निकटवर्ती क्षेत्रों में दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दे दिया है। ट्रंप ने मेदवेदेव के कथित 'भड़काऊ बयानों' का हवाला देते हुए कहा कि यह कदम एहतियाती है ताकि ऐसी बयानबाजी को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि ये पनडुब्बियां परमाणु हथियारों से लैस हैं या केवल परमाणु ऊर्जा से संचालित हैं परन्तु ट्रंप की इस घोषणा ने पूरे विश्व को चिंतित जरूर कर दिया है। रूस की ओर से भी यह बता दिया गया है यह दोनों ही अमेरिकी पनडुब्बियां उसके निशाने पर हैं। गोया दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। सवाल यह कि राष्ट्रपति ट्रंप को किसी देश की अर्थ व्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था ' कहने का क्या अधिकार है ? वैसे भी विश्व बैंक, आईएमएफ सहित और भी कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3-6.7% अनुमानित की है। यह जीडीपी वृद्धि दर अमेरिका की 1.9% की तुलना में कहीं ज्यादा है। इन आंकड़ों से ही पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था 'मृत ' नहीं बल्कि जीवंत है और साथ ही यह प्रति व्यक्ति आय कम होने के बावजूद यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भी एक है।

सच पूछिये तो आज यूक्रेन भी जिस बुरे दौर से गुजर रहा है उसका कारण भी यूक्रेन को दिया जाने वाला अमेरिकी व नाटो समर्थन ही है। यानी यूक्रेन, अमेरिका की दोस्ती का नतीजा भुगत रहा है और अमेरिका यूक्रेन का साथ देने के बजाये इसमें भी व्यवसाय कर रहा है। इसी तरह पिछले दिनों ईरान ने अमेरिका के घनिष्ठ मित्र देश इस्राईल को धूल चटा डाली। हाँ,युद्ध के आखरी दिनों में अमेरिका ने ईरान में मामूली बंबारी कर इस्राईल को यह जरूर जता दिया कि घबराओ मत, हम तुम्हारे साथ हैं। परन्तु तब तक ईरान ने तेल अवीव के बड़े हिस्से को खंडहर बना दिया था। इसी तरह याद कीजिये 1971 के वह दिन जब अमेरिका ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता के रूप में अपना सातवां युद्ध पोत भेजने का दिलासा दिया था। वह सातवां बेड़ा तो पहुंचा नहीं परन्तु इंदिरा गाँधी के सबल व कुशल नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो टुकड़े जरूर कर दिये। आज फिर अमेरिका उसी भारत विरोधी पाकिस्तान को हर तरह से शह देने की नीति पर चल रहा है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि जिसका 'दोस्त' अमेरिका हो उसे दुश्मन की जरूरत ही क्या है?

नौकरी लगते ही पतियों को छोड़ रही हैं आधुनिक औरतें

-एक समय था जब पति-पत्नी का रिश्ता त्याग, प्रेम और परस्पर समर्पण का प्रतीक होता था। विवाह सिर्फ सामाजिक अनुबंध नहीं, एक गहरी भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा मानी जाती थी। लेकिन आज की आधुनिकता, शिक्षा और तथाकथित ₹अधिकार चेतनाऱ ने इस पवित्र रिश्ते को भी स्वार्थ की भट्ठी में झोंक दिया है। आज देश में तेजी से बढ़ते ऐसे मामलों पर चिंता जाहिर हो रही है जहाँ एक पति सालों मेहनत करके, मजदूरी करके अपनी पत्नी को पढ़ाता है, उसके सपनों को पंख देता है, और जैसे ही उसकी सरकारी नौकरी लगती है – वह उसी पति से कहती है: आप कौन जी?

यह सवाल अकेले एक पुरुष से नहीं पूछा जा रहा, यह सवाल उस समूचे त्याग से पूछा जा रहा है, जो एक रिश्ते को निभाने में लगाया गया था। यह सवाल उस व्यवस्था पर भी है, जिसने शिक्षा को अधिकार तो दिया, मगर ज़िम्मेदारी नहीं सिखाई। यह सवाल कानून से भी है, जिसने स्त्री को संरक्षण तो दिया, पर रिश्तों को निभाने की नैतिकता सिखाने का प्रयास नहीं किया।

आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ एक और विचारधारा ने समाज में गहराई से जड़ें जमा ली हैं – खुद को पहले रखो, रिश्ते बोझ हैं, स्वतंत्रता का अर्थ है किसी भी बंधन से मुक्त होनाह्व। यह सोच, विशेषकर महिलाओं को यह सिखा रही है कि विवाह, पति, परिवार केवल एक सामाजिक औपचारिकता हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर त्यागा जा सकता है। और

-प्रियंका सौरभ

जब शिक्षा, कानून और समाज का एक वर्ग इस सोच को बढ़ावा देता है, तो परिणाम होता है – घर टूटते हैं, विश्वास बिखरता है और पुरुषों का त्याग मजाक बन जाता है।

एक गरीब पति जिसने ईंटें ढोकर, दिहाड़ी लगाकर अपनी पत्नी को पढ़ाया, उसका फॉर्म भरा, उसकी फीस दी, परीक्षा केंद्र तक छोड़ा, उसके चयन के बाद मिठाई बांटी – वही पति जब दरवाजे पर खड़ा होता है तो पत्नी कहती है – ह्लअब आपकी कोई जरूरत नहीं रही।ह्व यह वाक्य सिर्फ शब्द नहीं, यह उस संघर्ष की मौत है जिसमें रिश्ते सांस लेते थे। यह आधुनिकता का वह चेहरा है, जो चमकता तो है, पर भीतर से खोखला है। बिना किसी कारण, बिना किसी उत्पीड़न के यदि कोई पत्नी केवल नौकरी लगने के बाद पति को अस्वीकार कर दे, तो यह न सशक्तिकरण है, न स्वतंत्रता – यह एक सामाजिक अपराध है। यह उन मूल्यों की हत्या है जो भारतीय समाज की नींव हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना जरूरी है कि हम उन स्त्रियों की बात नहीं कर रहे जो वाकई उत्पीड़न झेलती हैं, शोषित होती हैं या जिन्हें बचाव की आवश्यकता है। बात उन मामलों की हो रही है जहाँ कानून और अधिकारों का दुरुपयोग करके एक पत्नी अपने पति को केवल इसलिए छोड़ देती है क्योंकि अब वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो गई है।

कानून ने महिलाओं को जो संरक्षण दिया है, वह आवश्यक है और होना भी चाहिए, लेकिन वह संरक्षण तभी तक पवित्र है जब तक उसका उपयोग हो, दुरुपयोग नहीं। आज समाज में ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है जहाँ महिलाओं ने झूठे आरोप लगाकर न केवल अपने पतियों को, बल्कि उनके परिवारों को भी जेल भिजवा दिया, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और आर्थिक रूप से तबाह कर दिया। क्या यही है नवीन भारत का पारिवारिक चेहरा?

जब एक लड़की कहती है, अब मैं कमाती हूं, मुझे किसी की जरूरत नहीं, तो यह स्वतंत्रता नहीं, आत्ममुग्धता है। क्या आत्मनिर्भरता का अर्थ यह है कि रिश्तों को छोड़ दिया जाए? क्या नौकरी लगते ही प्रेम और त्याग की कीमत शून्य हो जाती है? क्यों नहीं यह समझाया जाता कि सशक्त स्त्री वह है जो अपनी उड़ान में भी अपने घोंसले को संजोकर रखे, न कि उड़ते ही उसे जला दे?

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि सोच में परिपक्वता लाना है। दुर्भाग्यवश आज की पढ़ाई ने यह परिपक्वता नहीं दी, बल्कि कई मामलों में आत्मकेंद्रित सोच को जन्म दिया है। आत्मनिर्भरता अगर स्वार्थ में बदल जाए, तो वह समाज के लिए एक खतरा बन जाती है। पढ़ाई के बाद यदि स्त्री अपने रिश्तों से पलायन करती है, तो यह प्रश्नचिन्ह है उस शिक्षा पर, उस सोच पर, और उस कानून पर जो उसे यह करने की छूट देते हैं।

कई बार जब पत्नी पति को छोड़ती है, तब समाज चुप रहता है। महिलाएं इसे अपना अधिकार मानती हैं, और पुरुषों के पास बोलने तक की जगह नहीं होती। अगर कोई पति यह कह दे कि ₹मैंने उसे पढ़ाया, बढ़ाया, उसका करियर बनायाऱ, तो उसे कहा जाता है कि ह्लउसने तुम्हारे ऊपर कोई एहसान नहीं किया, वह अब स्वतंत्र है।ह्व लेकिन जब कोई स्त्री अपने पति के बलिदान से आगे बढ़ती है, तो क्या उस त्याग की कोई कीमत नहीं होती? क्या उसकी कोई भावनात्मक मान्यता नहीं?

विवाह अब त्याग और समर्पण की बजाय स्वार्थ और स्वतंत्रता की शरण में चला गया है। अनेक मामले सामने आ रहे हैं जहाँ पति ने पत्नी को पढ़ाया, नौकरी लगवाई, पर जैसे ही वह आत्मनिर्भर हुई, पति को ठुकरा दिया। यह आधुनिक सोच रिश्तों को तोड़ रही है। शिक्षा और कानून महिलाओं को अधिकार तो दे रहे हैं, पर जिम्मेदारी से दूर कर रहे हैं। सशक्तिकरण तब तक अधूरा है जब तक वह रिश्तों का सम्मान न सिखाए। समाज को अब ऐसे स्वार्थी दृष्टिकोण के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए जो परिवार को तोड़ने का कारण बन रहा है।

यह मानसिकता अब अदालतों तक पहुँच चुकी है। न्यायालयों में ऐसे हजारों केस लंबित हैं जहाँ पुरुष अपने वैवाहिक अधिकारों के लिए लड़ रहे हैं, अपने बच्चों से मिलने के लिए तरस रहे हैं, और वर्षों तक एक ऐसे रिश्ते का बोझ ढो रहे हैं जो केवल कागज पर बचा है। वे न तलाक ले सकते हैं, न नया जीवन शुरू कर सकते हैं, और न ही समाज उनकी पीड़ा समझता है।

कई मामलों में तो पढ़ी-लिखी स्त्रियाँ बाहर से प्रेम संबंध जोड़ लेती हैं, पति से दूरी बना लेती हैं, और फिर कानूनी सुरक्षा के पीछे छिप जाती हैं। जब ऐसे मामलों पर कोई प्रश्न उठाता है, तो उसे महिला विरोधी, संकीर्ण सोच वालाह्व या पितृसत्तात्मक कहा जाता है। लेकिन क्या एक समाज को इतना भी अधिकार नहीं कि वह रिश्तों की रक्षा करने वाले पुरुष की आवाज को सुने?

यदि यही मानसिकता चलती रही, तो आने वाले वर्षों में विवाह संस्था ही खोखली हो जाएगी। पुरुष विवाह से डरेंगे, परिवार टूटेंगे, और समाज में अविश्वास की दीवारें खड़ी होंगी। स्त्रियों को यह समझना होगा कि वे केवल नौकरी पाने के लिए नहीं, बल्कि रिश्तों को निभाने के लिए भी उत्तरदायी हैं। जब कोई पति आपकी फीस भरता है, कोचिंग लगवाता है, हौसला देता है, तब वह केवल पति नहीं, एक मार्गदर्शक, एक सहायक, एक संरक्षक बनता है। और जब आप सफलता पाकर उसे छोड़ देती हैं, तो आप सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि विश्वास को ठुकरा देती हैं।

यह समाज अब और अधिक झूठे केस, दिखावटी आजादी और स्वार्थ की आड़ में तोड़े गए रिश्ते नहीं झेल सकता। अब वक्त आ गया है कि शिक्षा में नैतिक मूल्य जोड़ें, कानूनों में संतुलन लाएं, और समाज में यह संदेश दें कि सशक्तिकरण का अर्थ जिम्मेदारी से भागना नहीं, बल्कि उसे ईमानदारी से निभाना है।

रिश्तों में अधिकार जितने जरूरी हैं, उतने ही जरूरी हैं कर्तव्य। सच्चा सशक्तिकरण वही है जो रिश्तों को तोड़े नहीं, उन्हें और मजबूत करे। क्योंकि अगर नौकरी लगते ही कोई पत्नी अपने पति को कहे – आप कौन? – तो यह केवल पति की नहीं, पूरे समाज की हार है।

साहब !मेरा नाम हमेशा अपमान के पर्याय के रूप में लेते हो!

वैश्विक स्तरपर हर उस व्यवहार, कार्य और परिस्थितियों में जहां किसी व्यक्ति का अपमान करना हो, उसे नीचा दिखाना हो, उसे बदनाम करना हो तो, उसे बोलने वाले प्राथमिक अस्वस्थ्य भाषा ठठोली के प्रतीक के रूप में कुत्ता शब्द का प्रयोग किया जाता है, वैसे तो इस बोध में अनेक पशु-पक्षी व जानवरों का नाम जैसे गधा,उल्लू सांड गिरगिट, काला नाग जैसे अनेक जानवरों के नामों का प्रयोग किया जाता है, जिसे सुनकर वाद विवाद प्रतिवाद इतना बढ़ जाता है कि, हत्या तक हो जाती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसे नकारात्मक पहलू से देखा जाता है, जबकि इनका सकारात्मक पहलू यह है कि गधा बहुत भारी बोझ उठाकर मेहनत के प्रति समर्पित रहता है,सांड खेतियों में हल जोतने की मेहनत का काम करता है, इस तरह हर ऐसे अपमान के सूचक बनें इन प्राणियों का हमारे जीवन को सुचारू रूप से चलाने में कुछ ना कुछ योगदान होता है, फिर भी हम उन्हें हास्यप्रद व अपमान सूचक शब्दों से व्यक्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते, आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 5 अगस्त 2025 को हम राष्ट्रीय कुत्ते की तरह काम करने (वर्क लाइक ए डॉग डे)के दिवस के रूप में मनाया जा रहा है जो अमेरिका सहित पश्चिम भारत सहित दक्षिण एशिया इत्यादि देश में मनाया जाता है, इस दिन का उद्देश्य उन सभी लोगों को सम्मान देना है जो इतना कठिन परिश्रम करते हैं,अपनी वफादारी व जिम्मेदारियों को निष्ठा व अनुशासन के साथ निभाते हैं और मानव समाज की प्रगति में योगदान देते हैं। इसमें दो बातें महत्वपूर्ण है, (1) यह दिन एक प्रतीक है-ऐसे श्रमिकों, कर्मचारियों व्यापारियों और हर उस व्यक्ति के लिए जो 'कुत्ते की तरह' अथक, निःस्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करतें है। (2) पशुओं में कुत्ता वह प्राणी है जिसे सबसे अधिक वफादार, मेहनती और संरक्षक माना गया है। वह केवल आदेश मानने वाला प्राणी नहीं, बल्कि कई मामलों में नेतृत्वकर्ता, खोजी, सहायक और संकटमोचक भी होता है।पुलिस डॉग्स, थैरेपी डॉग्स, फॉर्म डॉग्स, रेस्क्यू डॉग्स और गाइड डॉग्स-हर क्षेत्र में इनकी मेहनत असाधारण है। ये विशेष प्रशिक्षित कुत्ते दिन-रात काम करते हैं, बिना शिकायत किए, बिना थके। यही भावना इस दिवस के पीछे की प्रेरणा है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेआर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वर्क लाइक ए डॉग डे,5 अगस्त 2025, वफादारी व समर्पण भाव से मेहनत करने वालों को सैल्यूट।

साथियों बात अगर हम मेहनतकश लोगों को सैल्यूट करने की करें तो,इस दिवस की एक और प्रासंगिकता है-यह आज की अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक और लक्ष्य-केंद्रित वर्क कल्चर की झलक देता है, ये सब हमें लगातार 'कुत्ते की तरह' काम करने के लिए मजबूत करता हैं। लेकिन यह कब प्रगति का संकेत बनता है और कब शोषण, इसपर विचार करना भी उतना ही आवश्यक है।जिसमें इंसान को मशीन की तरह 24/7 काम करने की अपेक्षा की जाती है।इस दिन का मुख्य उद्देश्य उन लोगों को सम्मानित करना है जो अपने कार्यस्थल पर या जीवन में साधारण नहीं, बल्कि असाधारण मेहनत करते हैं। इसमें शामिल हैं: (1) कृषक जो सुबह 4 बजे खेतों में पहुंचते हैं।(2)डॉक्टर और नर्स जो महामारी या आपदा के दौरान 18-18 घंटे की शिफ्ट करते हैं। (3) स्वच्छता कर्मी जो शहरों को साफ -सुथरा बनाए रखने में जुटे रहते हैं।(4) महिलाएँ, जो घर और ऑफिस दोनों में ह्यवर्क लाइक अ डॉगह्न वाली भूमिका निभाती हैं। (5) वर्क फ्रॉम होम, ओवरटाइम, स्टार्टअप कल्चर, करियर रेस चुनौतीपूर्ण कार्य।

साथियों बात अगर हम मेहनत करने की करें तो,जब हम मेहनत की बात करते हैं, तब हमें ये भी देखना होगा कि हर व्यक्ति को उसके काम का पूरा मुआवजा मिले, और उसकी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक सेहत का ध्यान रखा जाए। (1) वर्कप्लेस वेलनेस प्रोग्राम्स (2) मेंटल हेल्थ अवेयरनेस (3) बर्नआउट की पहचान और राहत (4) वर्क- लाइफ बैलेंस के प्रयास ये सभी जरूरी हैं ताकि मेहनत करने वाले थकें नहीं, टूटें नहीं, बल्कि प्रेरित और संतुलित रहें। हम देखते हैं कि आज जब चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स, रोबोट, ऑटोमेटेड सॉफ्टवेयर इंसानी कामों को बदल रहे हैं,तब कुत्ते की तरह काम करना अब मेहनत नहीं बल्कि स्मार्ट वर्क की ओर मुड़ता प्रतीत हो रहा है। लेकिन इस बदलाव में भी वो भावना, वो ऊर्जा, वो लगन जो इंसान का मूल गुण है,वह अमूल्य है। एआई कभी वफादारी, नैतिकता और जुनून नहीं ला सकता, जो एक इंसानी श्रमिक में होता है।

साथियों बात अगर हम दुनियाँ के भविष्य,बच्चों व युवाओं को काम का मूल्य सिखाने की करें तो,वर्क लाइक ए डॉग डे केवल वयस्कों के लिए नहीं, बल्कि युवाओं को श्रम के मूल्य और गरिमा सिखाने का एक सुनहरा अवसर है। (1) उन्हें छोटे-छोटे कार्य सौंपें। (2) घर के कामों में भागीदार बनाएं (3) उन्हें यह बताएं कि मेहनत केवल पैसा कमाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मनिर्माण के लिए भी है।परंतु *कुछ आलोचक कहते हैं कि ₹कुत्ते की तरह काम करनाऱ इंसानों के आत्म- सम्मान के विरुद्ध है।* इसमें मनुष्यता की उपेक्षा होती है। यह दलील तब सार्थक लगती है जब कार्य की मात्रा मनुष्य की सीमा से अधिक हो जाती है।इसलिए इस दिन को मनाते हुए हमें मेहनत और शोषण के बीच की महीन रेखा को पहचानना जरूरीहै। 5 अगस्त का नेशनल वर्कलाइक ए डॉग डे कोई तुच्छ मुहावरा नहीं बल्कि मेहनत करने वालों की आत्मा को श्रद्धांजलि है। यहदिन हमें याद दिलाता है कि समाज उन्हीं के कंधों पर खड़ा है जो लगातार आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं।हर पेशा-चाहे वह सीईओ हो या सड़क पर सफाई करने वाला-मेहनत का सम्मान बराबर चाहता है।सबसे महत्वपूर्ण बात: मेहनत करना गौरव की बात है, लेकिन अपने स्वास्थ्य, संतुलन और आत्म- सम्मान केसाथ। कुत्ते की तरह काम करने का मतलब सिर्फ पसीना बहाना नहीं है, बल्कि यह अपने काम से प्रेम करना, उसे जिम्मेदारी से निभाना,और दुनियाँ को यह दिखाना है कि ईमानदारी और मेहनत कभी असफल नहीं होती।

साथियों बात अगर हम वर्क लाइक ए डॉग डे मनाने की करें तो, अपने दिन का सर्वोत्तम प्रदर्शन करें, (1) इस दिन अपने सभी कार्यों को सर्वोत्तम गुणवत्ता और पूर्ण समर्पण से करें। (2) अपने साथियों की प्रशंसा करें- टीम में जो सबसे मेहनती हैं, उन्हें धन्यवाद कहें या एक छोटी सी प्रशंसा दें। (3) अपने काम के प्रति खुद को प्रेरित करें-यह दिन आत्मनिरीक्षण का भी है। (4) किसी सेवा कुत्ते की कहानी साझा करें-जानवरों से प्रेरणा लेना भी इस दिन का एक भावनात्मक पहलू है। (5) आराम भी जरूरी है-ध्यान रखें कि संतुलन बनाए रखना भी इस दिवस की शिक्षा है।

साथियों बात अगर हम इस दिवस के इतिहास की करें तो,₹वर्क लाइक ए डॉग डेऱ की सटीक ऐतिहासिक उत्पत्ति अस्पष्ट है, लेकिन इसका मूल अमेरिका में माने जाते हैं। यह दिन उन मेहनतकश अमेरिकियों की प्रशंसा और मान्यता के लिए मनाया गया,जो रोजगार और जीवन के तनावों के बावजूद पूरे मनोयोग से कार्य करते हैं।इसे अनौपचारिक छुट्टी के तौर पर मान्यता मिली,और सोशल मीडिया ने इसे लोकप्रिय बनाया।धीरे-धीरे यह दिन दुनियाँ भर के श्रमिकों के लिए एक प्रेरणा बन गया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि साहब !मेरा नाम हमेशा अपमान के पर्याय के रूप में लेते हो !आज मेरे नाम पर वैश्विक वफादारी, समर्पण, मेहनतकश और प्रतिबद्धता का दिवस है,राष्ट्रीय कुत्ते की तरह काम करने का दिवस(वर्क लाईक ए डॉग डे) 5 अगस्त 2025 - वफादारी से मेहनत करने वालों को सैल्यूट! 5अगस्त 2025 का दिन ऐसे श्रमिकों कर्मचारीयों व्यापारियों और हर उस व्यक्तियों के लिए है, जो कुत्ते की तरह वफादारी, निस्वार्थ और समर्पण भाव से कार्य करते हैं। -एडवोकेट किशन सनमुखदास

श्री संत सावता महाराज संजीवन समाधी समारोह संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले बोईसर क्षेत्र अंतर्गत स्थित दत्तमंदिर परिसर में श्री महात्मा फुले माली समाज उन्नती मंडल, बोईसर के तत्वावधान में श्री संत सावता महाराज संजीवन समाधी समारोह बड़े ही श्रद्धा, भक्तिभाव और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

इस पावन अवसर पर संत सावता महाराज की प्रतिमा को माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात सुबह 10 बजे हरिपाठ तथा 11:30 बजे सौ. ह.भ.प. वैशाली ताई माली (चालीसगाव) द्वारा भावपूर्ण हरिकीर्तन सेवा प्रस्तुत की गई। कीर्तन में बोईसर की विभिन्न भजनी मंडलियों ने सहभाग लेकर कर भक्तिरस ओतप्रोत किया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजबांधव, महिला मंडल व सभी सेवाभावी भक्तों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा और भक्ति वातावरण को और भी बढ़ा दिया। कीर्तन के पश्चात समाज के मान्यवरों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का सत्कार किया गया। महाप्रसाद द्वारा कार्यक्रम का समारोप उत्साहपूर्वक किया गया। इस पावन अवसर पर जिन दाताओं ने आर्थिक सहयोग देकर कार्यक्रम को सफल बनाया, उनका भी विशेष सत्कार कर आभार प्रकट किया गया। महाप्रसाद सेवा संतोष मराठे, चिटणीस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा प्रदान की गई। वहीं, संपूर्ण साउंड सिस्टम और साहित्य सेवा दत्तमंदिर कमेटी द्वारा उपलब्ध कराई गई, जिनका भी मंच से सत्कार किया गया। समस्त संत-महंत, भजनी मंडल, सेवेकरी व माली समाज बांधवों का समाज की ओर से स्वागत कर आभार प्रकट किया गया। इस कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा और सफलता हेतु श्री महात्मा ज्योतिबा फुले माली समाज मंडल, बोईसर द्वारा विशेष परिश्रम किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में जिन प्रमुख समाजसेवियों का योगदान रहा, उनमें माली समाज अध्यक्ष अर्जुन बावीस्कर, सचिव ह.भ.प. मोहन सिनलकर, सहसचिव आनंद परंडवाल, पुंडलीक पाटील, शांताराम बनकर, आपा भागवत, मधुकर पाटील समेत अनेक समाजबांधवों ने अथक मेहनत की। कार्यक्रम में कामगार नेता संजय पाटील, संतोष मराठे, महेंद्र भोणे, करण काले, गजानन देशमुख, संजूदादा नारखेडे, ह.भ.प. राजेंद्र महाजन, जीवन भारांबे जैसे मान्यवरों की विशेष उपस्थिति रही।

आस्था,भक्ति और शिव भक्तों का सागर से प्रभावित हुई स्नेहा दुबे

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। राजावली, वसई पूर्व में श्रावण मास के अवसर पर नितिन भोईर द्वारा 03 अगस्त 2025 को राजावली मंडल में बड़े उत्साह के साथ एक भव्य और भक्तिमय कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस पवित्र यात्रा वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित भाग लेना गौरव की बात थी। भगवान महादेव की भक्तिभाव से पूजा-अर्चना की गई और वसईकर की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई। आस्था, भक्ति और हर-हर महादेव के जयघोष से सराबोर वातावरण में, कुछ कदम चलने पर ही एक नयापन सा आ गया। हजारों शिव भक्तों की सहज भागीदारी और डफ की ध्वनि ने इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया। इस अवसर पर वसई विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, राजू म्हात्रे, सूर्यकांत वाघमारे, श्रीमती सकीना नूरानी, श्रीमती. विमल वैष्णव, जयप्रकाश पांडे, महाराज मिश्र, प्रवेश दुबे सहित आयोजक नितिन भोईर एवं हजारों नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। भगवान शिव के आशीर्वाद से यह यात्रा आध्यात्मिकता, एकता और शिव भक्ति का एक प्रेरक समारोह बन गई।

हनुमान मंदिर कामन में शिव महापुराण कथा का आयोजन

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। स्वर्गीय सत्यभामा सदानंद पाटिल एवं क्षेत्र के सभी दिवंगत हरिभक्तों की पावन स्मृति में, जय हनुमान मंदिर, कामण में !! श्री शिव महापुराण कथा !! नामक भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर स्नेहा दुबे को गौरवान्वित महसूस हुआ। कार्यक्रम में धार्मिक वातावरण में भगवान शिव के महत्व का वर्णन किया गया। कथा के माध्यम से भक्ति, आस्था और धार्मिक अनुष्ठान की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ राजू म्हात्रे, विवेक भोस्कर, चंद्रकांत पाटिल, आयोजक संजय सदानंद पाटिल, राजू सदानंद पाटिल, मनोहर नाथूराम म्हात्रे, हेमंत चिंतामन म्हात्रे, महेश पाटिल, अक्षय कदम सहित क्षेत्र के अनेक हरिभक्त, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।स्नेहा दुबे ने यह भावना व्यक्त की कि धार्मिक अनुष्ठानों और आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ावा देने वाले ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेकर मुझे समाज के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करने का अवसर मिला है।

श्रावण महोत्सव को मिला जबरदस्त प्रतिसाद, पाककला के मंच से झलकी संस्कृति की छवि

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। पालघर में पहली बार आयोजित किए गए श्रावण महोत्सव 2025 को नागरिकों, प्रतियोगियों और भोजन प्रेमियों से अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला। यह महोत्सव मिती ग्रुप की संकल्पना और डॉ. ज्योती ठाकरे (शिवसेना उपनेता) के विशेष सहयोग से, स्वमहिला सर्वांगीण उन्नती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस पाककला प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल एक स्पर्धा भर नहीं था, बल्कि यह महिलाओं की प्रतिभा को मंच देने और उनकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का एक सार्थक प्रयास सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन पालघर की जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ के करकमलों द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ₹यह प्रतियोगिता न केवल स्वादिष्ट व्यंजन प्रस्तुत करती है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। महिलाओं में अपार क्षमता है, जरूरत है तो बस उन्हें एक सही मंच देने की। जिला प्रशासन ऐसे नवोन्मेषी उपक्रमों को पूरा समर्थन देगा।₹ उन्होंने प्रतियोगियों से संवाद कर उनके हुनर की सराहना भी की। इस महोत्सव में कुल 180 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 130 ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक और नवीन व्यंजनों ने मुंबई से आए आठ निर्णायकों का दिल जीत लिया। जुई राऊत, सुनीता पामाले, सुचिता नाइक, मीनल घरत और विभूती चंपानेरकर जैसी

प्रतिभाशाली महिलाओं ने उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर आगामी 21 अगस्त को शिवाजी पार्क, दादर में होने वाली फाइनल राउंड के लिए अपनी जगह सुनिश्चित की। प्रतिभागियों को गिरनार चाय की ओर से गिफ्ट हैम्पर और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, जबकि दर्शकों के लिए लकी ड्रॉ में कई आकर्षक उपहार वितरित किए गए। विजेताओं को पितांबरी फूड प्रोडक्ट्स, सप्रे प्रोडक्ट्स, गिरनार और माधवबाग ब्रेकफास्ट किट की ओर से विशेष गिफ्ट हैम्पर्स भेंट किए गए। डॉ. ज्योती ठाकरे ने इस आयोजन को सफल बनाने में जुटी अपनी पूरी टीम की भावुकता से प्रशंसा करते हुए कहा, ₹यह आयोजन पालघर की सांस्कृतिक पहचान को संजोने का एक प्रयास था, जिसमें हमारी टीम ने अद्भुत समर्पण और एकता का परिचय दिया।₹ महोत्सव की सफलता में प्रमुख भूमिका निभाने वालों में निलेश भोईर, नमिता राऊत, अनुजा तरे, भावना किणी, रेखा बागुल, चंदना जाधव, भाविका पाटील, नीलम म्हात्रे, मनिषा पिंपले, हर्षदा तरे, मिताली राऊत, गीता संखे, राधा पामाले, सुवर्णा वाघमारे, बिंदु सिंह, शिल्पा वखारे सहित कई अन्य कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में कैलास म्हात्रे, मनोज घरत, सुनील महेंद्रकर, रविंद्र शिंदे, अजय ठाकुर, अनुप पाटिल, डॉ. विश्वास वलवी, वेलजीभाई गोगरी, अमृता पिंपले और सुरेश जोशी (हॉल ट्रस्टी) का आर्थिक और तकनीकी सहयोग विशेष रूप से सराहनीय रहा। इस अवसर पर संगीता धोंडे (उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का सुंदर और रचनात्मक संचालन प्रतिभा क्षीरसागर कदम और विनीत देव ने किया। आयोजन के समापन पर सभी सहभागियों से अगले वर्ष के श्रावण महोत्सव को और भी भव्य रूप देने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया।

न्याय की मांग को लेकर सोसायटी के सदस्यों का बिल्डर के खिलाफ आमरण अनशन शुरू

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शांतिदूत गृहनिर्माण सोसायटी के पुनर्विकास कार्य में घोटाला करने वाले और निवासियों को गुमराह करने वाले अवंती ग्रुप एलएलपी के डेवलपर श्रीकांत शितोळे और चेतन सराफ के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं, फिर भी पुलिस प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इस विरोध में भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार के नेतृत्व में शांतिदूत सोसायटी के निवासियों ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने कहा कि इन विकासकों ने तीन साल में घर बनाकर देने का वादा किया था, लेकिन आज 14 साल बीतने के बावजूद लोगों को उनके घर नहीं मिले हैं। इसके अलावा, निवासियों को अंधेरे में रखकर उनकी जमीन को गलत तरीके से बैंक के पास गिरवी रखकर उस पर 318 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया। इस प्रोजेक्ट को दिखाकर लगभग 400 लोगों की बुकिंग ली गई। उन 400 लोगों के लोन की किस्तों के माध्यम से करीब 150 करोड़ रुपये विकासक श्रीकांत शितोळे और उनके सहयोगी के खातों में जमा हुए। लेकिन आज 14 साल बीतने के बावजूद अब तक कोई इमारत नहीं बनी है। यानी कुल मिलाकर 318 करोड़ का कर्ज और 150 करोड़ की बुकिंग, इस प्रकार कुल 468 करोड़ रुपये का घोटाला इस विकासक ने किया है। इस विकासक ने न केवल रहिवासियों के साथ धोखाधड़ी की, बल्कि बैंक के साथ भी फर्जीवाड़ा किया। इसलिए हमारी मांग है कि विकासक श्रीकांत शितोळे और उनके साथी चेतन सराफ के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए।

कल्याण-डोंबिवली के विकास को लगा ग्रहण दूर करने के लिए - भाजपा का महापौर जरूरी

कल्याण(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगरपालिका पर लगे विकास के ग्रहण को दूर करने के लिए यहां भाजपा का महापौर होना आवश्यक है, ऐसा बयान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कल्याण में दिया। कल्याण के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जतिन प्रजापति और कई अन्य लोगों के भाजपा में शामिल होने के अवसर पर आयोजित समारोह में वे बोल रहे थे। चव्हाण ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पूरे महाराष्ट्र में विकास की लहर चल रही है और कई दलों के पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता आज भाजपा में शामिल हो रहे हैं। कल्याण का यह पूरा क्षेत्र भाजपामयी बनाना है, और इसके लिए हमें सभी को संगठित रूप से मिलकर कार्य करना होगा। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ता जतिन प्रजापति ने आज अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश किया। यह प्रवेश समारोह कल्याण पश्चिम के महाजनवाड़ी सभागृह में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, पूर्व केंद्रीय राज्य

मंत्री कपिल पाटिल, जिलाध्यक्ष नंदू परब और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कल्याण के सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में जतिन प्रजापति एक बड़ा नाम हैं और पिछले दो दशकों से उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने 2010 और 2015 में कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लड़ा था, लेकिन बहुत कम अंतर से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अस्तित्व प्रतिष्ठान के माध्यम से अपना सामाजिक कार्य जारी रखा। उनके इस सामाजिक कार्य, युवा वर्ग में मजबूत पकड़ और शहर में व्यापक जनसंपर्क को देखते हुए भाजपा की ओर से उन्हें पार्टी में शामिल करने की पहल शुरू हुई थी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पद पर रविंद्र चव्हाण की नियुक्ति के बाद इस प्रक्रिया को गति मिली और अंततः आज जतिन प्रजापति का भाजपा में प्रवेश हुआ। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, वरिष्ठ नेता जगन्नाथ पाटील, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कपिल पाटील, विधायक सुलभा गायकवाड़, प्रदेश महिला मोर्चा सचिव प्रिया शर्मा, जिलाध्यक्ष नंदू परब, पूर्व शहराध्यक्ष वरुण पाटील, प्रेमनाथ म्हात्रे, मंडल अध्यक्ष रितेश फडके, स्वप्निल काठे, अमित धाक्रस आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर कई मान्यवर व्यक्ति, व्यापारी संघटनाएं, गुजराती, मारवाड़ी, मराठा समाज के नेता और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

पुलिस आयुक्तालय परिमंडल-2 द्वारा गणेशोत्सव 2024 पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के अंजूरफाटा स्थित ओसवाल स्कूल के आडोटोरियम हाल में पुलिस आयुक्तालय परिमंडल-2 द्वारा गणेशोत्सव 2024 पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न किया गया जिसमें धामनकर नाका मित्र मंडल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया । बतादें कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेशोत्सव 2024 में पुलिस द्वारा दिये गये दिशा निर्देश अनुशासित तरीके से राष्ट्रीय एकता,सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और सौहार्द, पर्यावरण पूरक तरीके से गणेशोत्सव संपन्न करने वाले मंडलों को ठाणे आयुक्तालय परिमंडल-2 द्वारा दिया गये पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार धामनकर नाका मित्र

मंडल , द्वितीय पुरस्कार स्वामी समर्थ मित्र मंडल, तृतीय रामेश्वर मित्र मंडल और गणेश मित्र मंडल, विशेष उल्लेखनीय पुरस्कार स्व.पंडित नाना मित्र मंडल, वहीं शिवशक्ति मित्र मंडल, संयुक्ता मित्र मंडल, भावना ऋषि बाल गोपाल मित्र मंडल, जय भारत मित्र मंडल को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया । प्रथम पुरस्कार धामनकर नाका मित्र मंडल के अध्यक्ष संतोष शेट्टी, दिलीप पोद्दार, हसमुख पटेल,राजेश शेट्टी आदि लोगों को दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख, पुलिस उपायुक्त शशिकांत बारोटे, सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले, गणेश महामंडल अध्यक्ष मदन भोई, सभी पुलिस थानों के पुलिस निरीक्षक, गणेश मंडलों के पदाधिकारी भारी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत भिवंडी पुलिस उपायुक्त शशिकांत बारोटे ने किया। सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले ने व्यक्त किया । कार्यक्रम का सूत्र संचालन शैलेश मांजरेकर ने किया।

मनपा के आदर्श शिक्षक कौशलेंद्र सिंह की सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग द्वारा संचालित पोईसर हिंदी शाला क्रमांक 1, बोरीवली पश्चिम के आदर्श शिक्षक कौशलेंद्र सिंह की सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह का आज नालासोपारा पूर्व स्थित साईं आकांक्षा बैंक्वेट हॉल में भव्य आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता पूर्व उप शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्रा ने किया।

प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पूर्व नगरसेवक शिवसहाय सिंह राणा, पूर्व अधीक्षक यशवंत सिंह, प्रबंधक धैर्यशंकर सिंह, पूर्व प्रशासकीय अधिकारी भारत भूषण केवट, पूर्व कनिष्ठ पर्यवेक्षक दुर्गा प्रसाद मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों में शिक्षक नेता योगेंद्र सिंह कौशिक, शिक्षक नेता नरेंद्र सिंह, शिक्षक नेता उपेंद्र राय, पूर्व मुख्याध्यापक शीतला प्रसाद यादव, महाराणा प्रताप हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के प्रबंधक अशोक सिंह, शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष केपी सिंह चौहान, प्रिंसिपल महेश सिंह तथा शिक्षक एवं कवि विवेक सिंह का समावेश रहा। सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों में पूर्व प्रधानाध्यापक रामविलास पांडे, रविंद्रनाथ सिंह, अशोक सिंह, दान बहादुर यादव प्रधानाध्यापक ज्ञानशंकर सिंह तथा प्रमुख वक्ता के रूप में अवधेश सिंह, डॉ विनय सिंह, सुरेंद्र मिश्रा तथा दिनेश सिंह का समावेश रहा। मानपत्र का वाचन वरिष्ठ शिक्षक अरविंद सिंह ने किया। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत वरिष्ठ संगीत शिक्षक राजेश सिंह ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन शिक्षक सभा के महासचिव शरद कुमार सिंह ने किया। अंत में स्वर्ण प्रताप सिंह ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक प्रदीप कुमार सिंह और कमलेश सिंह ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य लोगों में लोगों में भाजपा नेता सचिन चौबे, भवन निमार्ता अशोक पाठक, बैंक डायरेक्टर सुखलाल बरई, अच्छेलाल यादव, आरपी सिंह, राजीव कुमार मिश्रा, अशोक कुमार सिंह, शिव शंकर यादव, रविंद्र यू राय प्रबंधक, राजेश सिंह , मनोज सिंह, बाबुलनाथ उपाध्याय, राहुल सिंह, शेषनाथ तिवारी ,शिवप्रसाद मिश्रा ,वीरेंद्र मिश्रा, संतोष सिंह, रमाकांत तिवारी इंद्रसेन चौबे आदि का समावेश रहा।

सनातन धर्म सभा, वसई के अध्यक्ष उत्तमकुमार ने प्रज्ञा साध्वी को न बधाई दी

मुंबई। कई वर्षों से चल रहे मालेगांव विस्फोट मामले में न्यायमूर्ति डी. के. पाटिल की विशेष एनआईए अदालत ने प्रज्ञा सिंह ठाकुर यानी प्रज्ञा साध्वी को आखिरकार निर्दोष करार दिया। अदालत ने सबूतों के अभाव और जाँच में खामियों के आधार पर उन्हें बरी कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रज्ञा साध्वी का नाम सीधे तौर पर विस्फोट से जोड़ने वाला कोई भी वस्तुनिष्ठ प्रमाण साबित नहीं हुआ है।

अदालती फैसले के बाद, सनातन धर्म सभा, वसई के अध्यक्ष उत्तम कुमार ने आज प्रज्ञा साध्वी से विशेष मुलाकात कोलाबा मुंबई में की। इस अवसर पर उन्होंने प्रज्ञा

साध्वी और उनकी कानूनी लड़ाई का नेतृत्व कर रहे अधिवक्ता जयप्रकाश मिश्रा का शॉल और पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया। इस भेंट में हिंदुत्व विचारधारा के कार्यकर्ता सिद्धेश तावड़े भी मौजूद थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उत्तम कुमार ने कहा, ₹यह केवल एक व्यक्ति की रिहाई नहीं, बल्कि सत्य की विजय का एक प्रतीकात्मक अवसर है। प्रज्ञा साध्वी के साथ अन्याय हुआ था और अंततः न्यायपालिका ने उन्हें निर्दोष माना है। हम उनके साहस, धैर्य और निरंतर संघर्ष को नमन करते हैं। कांग्रेस पार्टी, अर्थात कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, दिग्विजय सिंह और तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने उस समय जानबूझकर 'भगवा आतंकवाद' को जन्म दिया था। बाद में, यदि कसाब 26/11 हमले में नहीं पकड़ा गया होता, तो कांग्रेस ने उस घटना के लिए भी हिंदुओं को ज़िम्मेदार ठहराने का षड्यंत्र रचा था। इस फैसले की महत्वपूर्ण बात यह है कि पहले मालेगांव मामले में सभी को बरी करते हुए, इसमें दोषियों के खिलाफ जाँच के आदेश दिए गए हैं।

डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन स्पर्धा 9 नवंबर को आयोजित

प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने दी जानकारी

कल्याण(उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली रनर्स और डोंबिवलीकर एक सांस्कृतिक परिवार के संयुक्त आयोजन में होने वाली डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन 2025 इस भव्य मैराथन स्पर्धा की इस वर्ष की थीम का अनावरण भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष और डोंबिवली विधायक रविंद्र चव्हाण के प्रमुख मार्गदर्शन में रविवार 3 अगस्त को सम्पन्न हुआ। इस वर्ष की डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन स्पर्धा 9 नवंबर 2025 को आयोजित की गई है और स्पर्धकों के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, ऐसी घोषणा चव्हाण ने की। इस अवसर पर कल्याण डोंबिवली रनर्स के पदाधिकारी उपस्थित थे।भागदौड़ और तनावभरी जीवनशैली में स्वस्थ जीवन जीने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है, ऐसा चिकित्सा सलाह में कहा जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए चलना, दौड़ना अथवा भागना इसके प्रति समाज में जागरूकता बढ़े और स्वास्थ्यदायी जीवन का मूलमंत्र जन-जन में पहुंचे, इस हेतु यह पहल की गई है, ऐसा रविंद्र चव्हाण ने पत्रकारों से बातचीत में कहा। पिछले वर्ष डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन स्पर्धा में 3500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग

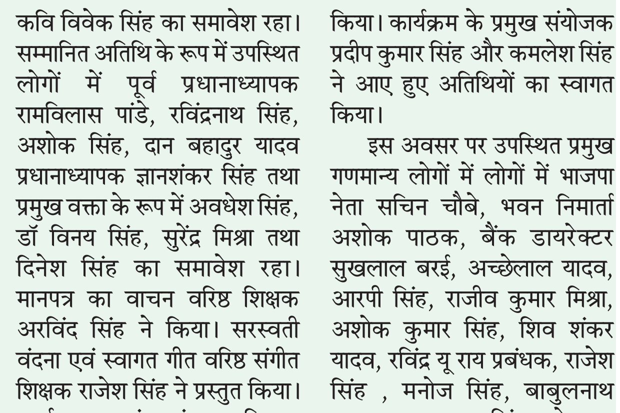

लिया था। इस बार 5000 से अधिक स्पर्धकों के भाग लेने की उम्मीद है आयोजकों ने जताई है। इस बार भी डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन में शौकिया और पेशेवर स्पर्धक भाग लेंगे। सभी भाग लेने वाले धावकों को टी-शर्ट, करीब 3 लाख रुपये के पुरस्कार, विभिन्न आयु वर्गों के लिए स्पधाएं, ऐसा भरपूर कार्यक्रम घोषित किया गया है।डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन 2025 यह स्पर्धा 21.1 किमी, 10 किमी, 5 किमी और 9.6 किमी की फन रन (ऋश्ल्ल फश्ल्ल) इन श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। प्रत्येक भागीदार को रेस पूरी करने के बाद पदक और ई-प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन में अनिल कोरवी, लीप घाडगे, हरिदासन नापन, ती चैधरी, सुजाता साइ, गगन खत्री जैसे विख्यात धावक भाग लेने जा रहे हैं। इसके साथ ही अंबरनाथ रनर्स फाउंडेशन, बोरगांवकर मैराथन, कल्याण, चैम्पियन्स स्पोर्ट्स एंड एडवेंचर्स, कल्याण रनर्स, मुंब्रा रनर्स, पलावा रनर्स, पियूष फाउंडेशन उल्हासनगर, रनर्स क्लैन फाउंडेशन, रनहोलिक्स, रनटास्टिक दिल से, शिवरतन अकादमी इन संस्थाओं से जुड़े धावक भी डोंबिवलीकर फ्रेंडशिप रन में भाग लेने वाले हैं, यह एक विशेष आनंद का विषय है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर: गोमती नदी उफान पर: लगातार रिमझिम बारिश से जौनपुर में मौसम सुहाना

मंदिरों में भरा पानी, गलियों में घुसे बारिश के पानी ने खोली नगर पालिका की पोल,शहर बेहाल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रविवार की सुबह से लगातार हो रही रिमझिम बारिश ने जहां एक ओर जिले का मौसम खुशनुमा बना दिया है, वहीं दूसरी ओर यह बारिश किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। खेतों में धान, मक्का, तिलहन समेत सभी फसलें लहलहा रही हैं और किसानों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। बारिश के चलते गोमती नदी का जल स्तर भी तेजी से बढ़ा है, जो अब साढ़े नौ फीट पर पहुंच चुका है। इसका असर गोमती किनारे स्थित धार्मिक स्थलों पर भी देखने को मिल रहा है। बाबा गोमतेश्वर महादेव मंदिर में नदी का पानी भर गया है। श्रद्धालु जलमग्न रास्तों से होकर शिवलिंग तक पहुंच रहे हैं और पूरी आस्था के साथ जलाभिषेक कर रहे हैं। मौसम की यह सुहानी रिमझिम बारिश नगरवासियों के लिए परेशानी का सबब भी बन गई है। शहर के अधिकांश इलाकों की नालियां चोक होने से बारिश का पानी गलियों और घरों में घुस गया है। कई इलाकों में सड़कों ने झील का रूप ले लिया है। लाइन बाजार से कलेक्ट्रेट रोड, इशापुर, ओलंदगंज से परमानतपुर मार्ग, पुरानी बाजार, शाहगंज रोड, रूहट्टा सहित कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। आवागमन बुरी तरह प्रभावित है और लोग घुटनों तक भरे पानी में आवाजाही को मजबूर हैं। शहर के कई हिस्सों में सीवर लाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई के कारण हालात और भी बदतर हो गए हैं। जगह-जगह गड्ढों में पानी भरने से सड़कें धंसने लगी हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। बारिश के कारण एक बार फिर नगर पालिका की लापरवाही उजागर हो गई है। नालियों की समय से सफाई न होने से जलनिकासी ठप हो गई है। नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका ने केवल कागजों पर तैयारी की, जबकि जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है। स्थानीय नागरिकों राकेश कुमार, सुगू और नसीम अहमद ने बताया कि पिछले कई वर्षों से हर बारिश में यही हाल होता है, लेकिन प्रशासन हर बार आश्वासन देकर भूल जाता है। उन्होंने नगर प्रशासन से मांग की है कि जलनिकासी की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त की जाए और स्थायी समाधान निकाला जाए।

गाजीपुर: खतरे का निशान पार कर नये रिकार्ड बनाने को आतुर हैं मां गंगा

तीन अगस्त को दिन में 12 बजे गंगा का जलस्तर 64.040 मीटर तक पहुंच गया है

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। मोक्षदायिनी मां गंगा अब विकराल रुप में आ गयी हैं। खतरे के निशान को पार कर अब नये रिकार्ड बनाने को आतुर हैं। पिछले दो-तीन दिनों से अचानक गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा। तीन अगस्त को दिन में 12 बजे गंगा का जलस्तर 64.040 मीटर तक पहुंच गया है और अभी भी यह बढ़ाव जारी है। जबकि खतरा का निशान 63.105 पर अंकित है। आपदा विशेषज्ञ अशोक कुमार राय ने बताया कि दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से जलस्तर का बढ़ाव जारी है। गंगा के बढ़ने से सैदपुर, करंडा, सदर, जमानियां, भदौरा, रेवतीपुर, मुहम्मदाबाद, भांवरकोल ब्लाक के सैकड़ों गांव प्रभावित हैं। अधिकांश संपर्क मार्गों बाढ़ के पानी से डूब गया है। जिससे ग्रामीणों को आनेजाने में परेशानी हो रही है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन बाढ़ से होने वाले परेशानियों से निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। अधिकांश गांवों में आने-जाने के लिए नाव लगायी गयी हैं। राजस्व के अधिकारी कर्मचारी बाढ़ पर नजर रखे हुए हैं विधायक मन्नू अंसारी ने बताया कि हमारे विधानसभा के सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रेवतीपुर ब्लाक के हसनपुरा, नगदिलपुर, वीऊपुर, नसीरपुर, भांवरकोल बलाक में फिरोजपुर, जगतपुर, कठार, शेरपुर, सेमरा, चौरासी-पच्चासी, धर्मपुरा, मुहम्मदाबाद में नगवा, नवापुर, हरिबल्लमपुर आदि हैं। विधायक ने बताया कि हम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर के पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

एसपी के आदेश पर अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डा० कौस्तुभ के आदेश पर पीड़िता की तहरीर के आधार पर पंवारा थाना पुलिस ने नामजद आरोपित के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। इस सम्बन्ध में पंवारा थाना क्षेत्र के भसोट गांव निवासी पीड़िता अन्जू गौड़ पत्नी रामचंद्र गौड़ ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि बीते 26 जून 2025 से हमारे मोबाइल फोन पर अनजान मोबाइल फोन से अश्लील मैसेज भेजा जा रहा था। प्रार्थिनी के पति द्वारा जब फोन कर मैसेज भेजने वाले से पूछा गया तो उसने अपना नाम सुरेन्द्र कुमार गौड़ पुत्र राजनरायन गौड़ निवासी ग्राम कसेरवा थाना मीरगंज, जिला जौनपुर बताया। पीड़िता ने बताया है कि सुरेन्द्र कुमार द्वारा प्रार्थिनी उसकी पुत्री मधु व खुशी तथा प्रार्थिनी के पति का अश्लील बनाकर फोटो सोशल मीडिया फेसबुक व इस्ट्राग्राम पर अपलोड करने तथा मां बहन की भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए ब्लैकमेल करने की धमकी देते हुए कहता है कि तुम्हारी लड़की ने जो मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उसको उठवा लो नही तो तुम्हारी लड़की व तुम सबको जान से मारकर खत्म कर देगें। हम लोगो की अश्लील फोटो व मैसेज वायरल कर बदनाम करने की बराबर धमकी दे रहा है है जो घोर अपराधकारित है। पुलिस अधीक्षक डा० कौस्तुभ के निर्देश पर पंवारा थाना पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपित सुरेन्द्र कुमार गौड़ पुत्र राज नरायन गौड़ निवासी ग्राम कसेरवां, थाना मीरगंज के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 352,351(2) व सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दिया ।

अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी के नगर इकाई कमेटी की बैठक संपन्न

रेणुकूट,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी की नगर इकाई द्वारा मंगलवार को, रेणुकूट कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक रघुनाथ गुप्ता के अध्यक्षता में आयोजन कर ,कमेटी के सोनभद्र जिला अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्ष द्वारा रेणुकूट के समस्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनका माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि,वैश्य समाज को अब तक जनसंख्या के अनुपात में सत्ता में उचित भागीदारी नहीं मिल पाई है।उन्होंने वैश्य समाज के सभी वर्गों से एक जुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया।नगर अध्यक्ष रमाशंकर केसरी ने आगामी विधानसभा चुनाव में समाज की एकता का परिचय देते हुए सशक्त चुनावी तैयारी की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि पार्टी की रणनीति राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि शंकर अंगारा के मार्गदर्शन में तैयारी की जाएगी।इसके अलावा बैठक में राजकुमार गुप्ता, अनुज अग्रवाल, बृज किशोर गुप्ता, लल्लन गुप्ता, आदि ने अपने संबोधन में वैश्य समाज को एकजुट होकर अपनी एकता का परिचय देने पर बल दिया। बैठक में प्रमुख रूप से संतोष गुप्ता, प्रभात मोहन, चंदन जायसवाल, विजय गुप्ता, बृज किशोर, अजय जोहरी, मंगल गुप्ता, दिनेश गुप्ता, अनुज अग्रवाल, संजीव अग्रहरि, डब्लू गुप्ता, महेंद्र प्रताप गांधी, राजेश गुप्ता, लड्डू केसरी सहित वैश्य समाज के दर्जनों लोग लोग उपस्थित रहे।

पीयूकैट की काउंसलिंग 5 अगस्त से शुरू

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में पीयूकैट प्रवेश परीक्षा के रिजल्ट के बाद सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग 5 अगस्त 2025 से 8 अगस्त 2025 तक होगी विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तिथियां जारी कर दी है।5 अगस्त 2025 को बीकॉम ऑनर्स , एमएससी के केमिस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एल एल एम, एमबीए, एमबीए के फाइनेंस एंड कंट्रोल, फामेर्सी में डिप्लोमा, 6 अगस्त 2025 को एमबीए के एग्री बिजनेस, ई-कॉमर्स, एचआरडी में, एलएलबी 5 वर्ष इंटीग्रेटेड, बीसीए में , 7 अगस्त 2025 को एमसीए, बीसीए, एमसीए इंटीग्रेटेड, बीएससी के सभी 10 विषय में तथा बीएससी ऑनर्स बायोटेक्नोलॉजी व एनवायरमेंटल साइंस, 8 अगस्त 2025 को बीटेक के सभी 10 विषयों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग होनी निर्धारित है जिसकी सूचना विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है।प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को अपने सभी अंक पत्र मूल एवं छाया प्रति के साथ ही, आधार कार्ड, फोटोग्राफ, जाति आदि प्रमाण पत्र लेकर आना होगा।

फर्जी सिपाही का भांडाफोड़, प्रेमिका को खुश करने के लिए ,बना नकली पुलिस वाला

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।रामनगर किले के पास पुलिस ने एक ऐसे शख्स को दबोचा। गया जो नकली वर्दी पहनकर खुद को सिपाही बताकर लोगों को ठग रहा था। चंदौली जिले के भोजपुर गांव का रहने वाला सिद्धार्थ सिंह नामक यह युवक अपनी प्रेमिका को खुश करने के लिए फर्जी सिपाही बना था। पुलिस के मुताबिक, सिद्धार्थ पिछले 15 दिनों से नकली पुलिस वर्दी और फर्जी आईडी कार्ड के साथ लोगों को गुमराह कर रहा था। उसने पूछताछ में कबूल किया कि उसकी प्रेमिका को पुलिसवाले बहुत पसंद हैं। उसे इंप्रेस करने के लिए उसने अर्दली बाजार से वर्दी सिलवाई और फर्जी पहचान पत्र बनवाया।एसीपी कोतवाली प्रजा पाठक ने अपनी टीम के साथ गश्त के दौरान सिद्धार्थ को संदिग्ध हालत में देखा। पूछताछ में वह टूट गया और सच उगल दिया। थानाध्यक्ष दुर्गा सिंह ने बताया कि सिद्धार्थ ने अपनी मां को भी झूठ बोला था कि वह पुलिस में भर्ती हो गया है और ट्रेनिंग पूरी कर चुका है। वह लंका के नासिरपुर सुसुकाही में किराए के मकान में रहता था और कॉलेज की 10,000 की स्कॉलरशिप को सैलरी बताकर घर भेजता था।पुलिस ने आरोपी के परिजनों को बुलाकर पूछताछ की और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। यह मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जौनपुर पुलिस भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर में नि :शुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस भारतीय चिकित्सा संघ द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर में निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। भारतीय चिकित्सा संघ, जौनपुर इकाई द्वारा रविवार, 3 अगस्त 2025 को पुलिस लाइन जौनपुर में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारजनों को स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराना था।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक जौनपुर व भारतीय चिकित्सा संघ जौनपुर की अध्यक्ष डॉ. शुभा सिंह ने दीपक जलाकर चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर में 40 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर, नेत्र परीक्षण, हड्डी रोग, त्वचा रोग तथा अन्य बीमारियों के परामर्श शामिल थे। जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। क्टअ जौनपुर की अध्यक्ष ने कहा, इस प्रकार के चिकित्सा शिविर से पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को नियमित स्वास्थ्य जांच का अवसर मिलता है, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार होता है और वे अपने कर्तव्यों का बेहतर निर्वहन कर पाते हैं।पुलिस अधीक्षक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, हम भारतीय चिकित्सा संघ के इस प्रयास की कद्र करते हैं। पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य को लेकर इस प्रकार की पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कार्यक्रम पुलिस विभाग और भारतीय चिकित्सा संघ के सदस्यों के समन्वित प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त वितरण कार्यक्रम आयोजित

बक्शा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कृषि विज्ञान केन्द्र में पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण कार्यक्रम का आयोजन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव की अध्यक्षता और एमएलसी बृजेश सिंह की उपस्थिति में हुआ।उक्त अवसर पर प्रधानमंत्री जी द्वारा पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। इस दौरान राज्यमंत्री, एमएलसी और जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर उन्हे प्रोत्साहित करते हुये कृषि पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने कहा कि शासन द्वारा अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं जिससे उनकी आय को दोगुनी की जा सके। यह योजना किसानों के लिए बहुत ही उपयोगी योजना है। जो भी किसान इस योजना से वंचित रह गये हैं। वे अपना रजिस्ट्रेशन कराकर योजना का लाभ प्राप्त करें। एमएलसी ने कहा कि जनपद में 7 लाख 50 हजार किसानों को सीधे 150 करोड़ रुपए निर्गत किये गये हैं। यह योजना प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है। पूरे देश के किसान इससे लाभान्वित हो रहे हैं।जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ सभी विकास खण्डों में आयोजित किया गया है। बताते हुए हर्ष हो रहा है कि जौनपुर देश का पहला जनपद है जहां सबसे अधिक किसान इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन डिप्टी पीडी आत्मा डा. रमेश चन्द्र यादव ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद डा. रामसूरत मौर्या, अजय सिंह, कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेश कन्नोजिया, खण्ड विकास अधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

शाहगंज :अयान हत्याकांड के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुख्य आरोपी कोर्ट में कर चुका है सरेंडर, शाहगंज कोतवाली पहुंच विगत दिनो एसपी ने अन्य अभियुक्तों से की थी पूछताछ

डॉ इम्तियाज/शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज जौनपुर(उत्तरशक्ति) दिनांक 18-07-2025 को समय करीब 4.00 बजे शाम को अबूसाद पुत्र स्व मंजूर अहमद ग्राम- उसरहटा थाना शाहगंज जौनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मिल्तनगर शाहगंज मे पोता अयान पुत्र अफजल उम्र करीब 10 वर्ष अपने मामा अतिकुर्र के साथ फैजान पुत्र जिलानी के घर गया हुआ था । वहीं पर आदिल पुत्र बब्बन निवासी अरन्द थाना-शाहगंज जनपद-जौनपुर मौजूद था जिससे किसी बात पर कहासुनी हो गयी थी कि फैजान के घर पर ही अन्य दो तीन और लोग भी थे।लोगो के कहने पर आदिल ने मेरे पोते अयान को जान से मारने की नियत से गोली मार दिया जिससे उसके सीने में गोली लग गयी हम लोग अयान को इलाज के लिये अस्पताल ले गये थे इसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 258/2025 धारा 109(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 पंजीकृत कर विवेचना संपादित की गयी मजरूफ अयान की मृत्यु होने के पश्चात धारा 109(1) का लोप कर धारा 103(1),61(2),211,238,3 (5) भारतीय न्याय संहिता 2023 में विवेचना संपादित की जा रही थी।

वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह मय हमराह हेड कांस्टेबल अनुज कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल जितेंद्र पांडेय,कांस्टेबल शिशि चौहान कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह कांस्टेबल अमरनाथ यादव कांस्टेबल अमन यादव द्वारा दिनांक 03.08.2025 को समय 13:35 बजे रोडवेज शाहगंज के पास थाना शाहगंज जनपद जौनपुर से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त असहद को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार कर अन्य अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

पुलिस की पूछताछ मे अभियुक्त असहद द्वारा बताया गया कि दिनांक- 18.07.2025 को मैं अपने खालू फैजान के घर पर उनके लडके अब्दुर्रहमान , आदिल पुत्र बब्बन निवासी अरन्द के साथ मौजूद था कि अतीकुर्रहमान अपने भांजों अयान व अफ्फान के साथ आया । अयान और आदिल एक-दूसरे को पहले से जानते थे तो आपस में मजाक करने लगे कि अयान ने गालिया देना शुरू कर दिया जब मैंने और अब्दुर्रहमान ने अयान को गाली देने से मना किया तो अयान हम लोगों को भी मां-बहन की गाली देने लगा तब मैंने और अब्दुर्रहमान ने आदिल से कहा कि इसे कमरे में ले जाकर आज ठीक कर दो । आदिल अयान को कमरे में ले गया और अयान के सीने में गोली मार दिया । इसके बाद हम लोग बचने के लिये अयान को हास्पिटल ले गये थे।

गिरफ्तार अभियुक्त असहद पुत्र अरशद निवासी ग्राम मिल्लतनगर थाना शाहगंज जनपद जौनपुर, गिरफ्तार करने वाली टीम में वरिष्ठ उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह हेड कांस्टेबल जितेंद्र पांडेय, हेड कांस्टेबल अनुज कुमार सिंह, कांस्टेबल अमरनाथ यादव, कांस्टेबल शशि चौहान थाना शाहगंज जौनपुर, कांस्टेबल अमन यादव थाना शाहगंज जौनपुर, कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह थाना शाहगंज जौनपुर रहे।

आरपीएफ और जीआरपी पुलिस के संयुक्त चेकिंग अभियान में मिली बड़ी कामयाबी

43 किलो ग्राम गांजा बरामद, तस्कर फरार

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ट्रेनों में नशीले पदार्थो की तस्करी मामले में स्थानीय रेलवे पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। बताया जाता है की शनिवार की रात को रेलवे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की एक ट्रेन से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ की तस्करी हो रही है।सूचना मिलने पर रेलवे के जीआरपी और आरपीएफ पुलिस ने संयुक्त चेकिंग अभियान चलाकर सभी ट्रेनों की जांच पड़ताल की गई।करीब साढ़े नौ गाड़ी ट्रेन संख्या 15624 भगत की कोठी कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन शाहगंज जंक्शन के प्लेफॉर्म नम्बर 6 पर पहुंची उसमे भी रेलवे पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की कोच नम्बर इ6 सीट नम्बर 34,35 के पास चार लावारिश बैग पड़े हैं।आरपीएफ और जीआरपी द्वारा जांच करने पर पता चला की तीन बैग और ट्राली बैग में प्लास्टिक पन्नी से पूरी तरफ पैक कुछ पदार्थ नजर आया जिसमे से किसी नशीले पदार्थ की गंध आरही थी। बैगों को ट्रेन से नीचे उतार कर जब जांच की गई तो पता चला की उक्त पदार्थ गांजा पता चला। रेलवे पुलिस ने बैग मालिक को पूरे ट्रेन में तलाश किया मगर मालिक का पता लगाने में विफल रही।शायद तस्कर को तब तक जानकारी हो चुकी थी और वह मौका देखकर फरार हो गया।रेलवे पुलिस द्वारा चारो बैगों में पैक उक्त मादक पदार्थ की तौल करने पर उसका वजन तिरालीस किलो निकला आगे रेलवे पुलिस ने आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद उक्त मादक पदार्थ को आगे की कार्यवाई के लिए भेज दिया। आरपीएफ और जीआरपी की ततपरता से मादक पदार्थों की इस बार तो तस्करी पकड़ी गई।मगर बताया जाता है की रेलवे स्टेशन शाहगंज के रास्ते नशा के कारोबारियों का नशीला सामान का तस्करी बड़े पैमाने पर की जा रही है।गांजा बरामद करने वाली टीम में थानाध्यक्ष जीआरपी जौनपुर सुनील कुमार गौंड, उप निरीक्षक जीआरपी चौकी प्रभारी शाहगंज राजीव कुमार सिंह,प्रभारी आरपीएफ शाहगंज उप निरीक्षक जी पी बहुगुणा,हेड कांस्टेबल, दिलीप कुमार यादव, विजय शंकर गुप्ता,दिनेश कुमार यादव, केदारनाथ शामिल रहे।

अयान हत्याकांड के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

डॉ इम्तियाज / शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दिनांक 18-07-2025 को समय करीब 4.00 बजे शाम को अबूसाद पुत्र स्व मंजूर अहमद ग्राम- उसरहटा थाना शाहगंज जौनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मिल्तनगर शाहगंज मे पोता अयान पुत्र अफजल उम्र करीब 10 वर्ष अपने मामा अतिकुर्र के साथ फैजान पुत्र जिलानी के घर गया हुआ था । वहीं पर आदिल पुत्र बब्बन निवासी अरन्द थाना-शाहगंज जनपद-जौनपुर मौजूद था जिससे किसी बात पर कहासुनी हो गयी थी कि फैजान के घर पर ही अन्य दो तीन और लोग भी थे ।लोगो के कहने पर आदिल ने मेरे पोते अयान को जान से मारने की नियत से गोली मार दिया जिससे उसके सीने में गोली लग गयी हम लोग अयान को इलाज के लिये अस्पताल ले गये थे ।इसके संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-258/2025 धारा 109(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 पंजीकृत कर विवेचना संपादित की गयी मजरूफ अयान की मृत्यु होने के पश्चात धारा 109(1) का लोप कर धारा 103(1),61(2),211,238,3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 में विवेचना संपादित की जा रही थी।

निमार्णाधीन पुलिया तक पहुंचा पानी, आवागमन हुआ बाधित

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गंगा के बढ़ते जलस्तर के चलते गोमती नदी का जल स्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इस समय जल स्तर चेतावनी बिंदु के निशान के करीब पहुंच गया है। नदी का पानी अब किनारे के रहवासी इलाकों में घुसने लगा है। वहीं औरी गांव के समीप टाई नाले की पुलिया निमार्णाधीन है ।देखा गया कि निमार्णाधीन स्थल तक पानी आ जाने से निर्माण कार्य बाधित हो गया है। साथ ही आवागमन पर भी असर पड़ा हुआ है। यात्री जलभराव का फोटो, वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर जिम्मेदार का ध्यान आकृष्ट कराने का प्रयास करने व अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर इसी तरह से नदी का जलस्तर बढ़ता रहा तो केराकत खुज्जी मार्ग पर आवागमन बाधित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर इस बाबत पूछे जाने पर एसडीएम शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि लेखपालों को आवश्यक दिशा निर्देश दे दिया गया है। साथ ही गोमती नदी के किनारे वाले गांवों पर नजर रखी जा रही है।

चोरी गये समान के साथ आरोपी गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर। आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण मे तथा थानाध्यक्ष खेतासराय के कुशल नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 151/25 धारा 331(4)/305/317(2) बीएनएस का 24 घण्टे के अन्दर सफर अनावरण करते हुये चोरी गये सम्पूर्ण माल के साथ आरोपी मो0 शहनवाज पुत्र मो0 मुल्ला निवासी सुम्बुलपुर थाना खेतासराय जौनपुर उम्र करीब 27 वर्ष को मुखबीर खास की सूचना पर सुम्बुलपुर पोखरा से चोरी गये सम्मपूर्ण माल के साथ पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर मुकदमा उपरोक्त में सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है ।

राजातालाब के शाहंशाहपुर में बाढ़ का कहर, मार्ग के ऊपर से बह रहा पानी

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के राजातालाब क्षेत्र स्थित शाहंशाहपुर गांव में बाढ़ का पानी लगातार फैलता जा रहा है। वरुणा और आसपास की सहायक नदियों के जलस्तर में वृद्धि के चलते गांव के कई खेत जलमग्न हो गए हैं। धान व अन्य फसलें पानी में डूब गई हैं। जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। शाहंशाहपुर-मगरहा मार्ग पर भी बाढ़ का पानी लहराने लगा है ।जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पानी का स्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो गांव का संपर्क मार्ग पूरी तरह कट सकता है। प्रशासन की ओर से अभी तक राहत या जलनिकासी की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

लापता महिला को परिवारजन से मिलाया लहुराबीर चौकी इंचार्ज ने

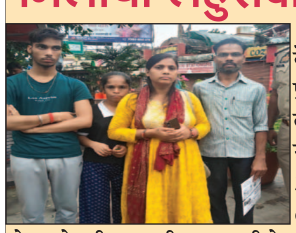

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के अजय कुमार चौरसिया पुत्र ठल्लू प्रसाद चौरसिया निवासी डी 65/78 ए 1 लहरतारा वाराणसी द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया की उनकी पत्नी सुषमा चौरसिया उम्र 38 वर्ष दिनांक 1/08/25 को सायं 6.00 बजे शुभम सेठ जिसकी पी बी गोल्ड बेकरी लहुराबीर वाराणसी के साथ कहीं चली गयी है महोदय उक्त गुम हुई महिला सुषमा को सर्विलांस की मदद से चौकी प्रभारी लहुराबीर अख्तर अली खान द्वारा खोज कर, उससे पूछताछ किया गया तो सुषमा चौरसिया द्वारा बताया गया की वो अयोध्या दर्शन करने के लिए चली गयी थी। उसके पति अजय चौरसिया को सुपुर्द किया गया। परिवार में हुआ खुशी का माहौल चौकी इंचार्ज अख्तर अली ने इसके पहले भी कई बिछड़ों को इस तरह मिलवाया है।

सरपतहाँ पुलिस द्वारा छिनैती की घटना में वांछित दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरपतहाँ पुलिस द्वारा छिनैती की घटना में वांछित दो आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। थाना सरपतहां पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0-192/2025 धारा-304(2), 352, 351(3), 317(2) बी0एन0एस0 थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 02 वाछिंत आरोपियों 1-अखिलेश वर्मा 2-धीरज उपाध्याय को दिनांक 03.08.2025 को समोधपुर बार्डर से समय करीब 06.30 बजे गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त वाहन, तमंचा व नकदी बरामद किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

जौनपुर की अदबी दुनियां के सूफी संत थे अजय कुमार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हिंदी भवन के सभागार में स्मृति सभा याद-ए- अजय कुमार का आयोजन रविवार को जन संस्कृति मंच द्वारा किया गया। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के कई शहरों से उनके चाहने वाले कवि, पत्रकार, गायक, विभिन्न कला विधाओं के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम का प्रारम्भ फिल्मकार एवं प्रतिरोध का सिनेमा के संयोजक संजय जोशी द्वारा दस्तावेजी साक्षात्कार के प्रदर्शन से हुआ। इस साक्षात्कार में अजय कुमार भाकपा माले और जन संस्कृति मंच से जुड़ने का संस्मरण साझा करते हुए जौनपुर शहर की साझी संस्कृति और विरासत के बारे में बयान करते हैं। अजय कुमार की स्मृति को साझा करते हुए जाने माने आलोचक प्रो. अवधेश प्रधान ने कहा कि अजय जी ने एक-एक सांस निचोड़ कर सार्थक जीवन जिया। उन्होंने निस्पृह जीवन जिया। उन्होंने साहित्य-कला की तमाम विधाओं-कविता, चित्र, मूर्तिकला, अनुवाद, संस्मरण में काम किया। उनकी सांस्कृतिक रुचियों की छाप हिंदी भवन और तिलक पुस्तकालय में दिखती हैं।

प्रो. प्रधान ने कहा कि अजय कुमार को जौनपुर की मिट्टी, यहाँ के लोगों और साझी संस्कृति से गहरा प्यार था। इसलिए उन्होंने सबसे अधिक जौनपुर पर लिखा। उन्होंने जौनपुर के आईने में पूरे देश को देखा। जौनपुर उनकी सांस्कृतिक राजधानी थी।

अन्तरराष्ट्रीय ख्याति के शायर वामिक जौनपुरी की रचनाओं को वे सबके सामने लेकर आए। वे हिंदी-उर्दू की साझी परम्परा को जीते थे। वे पूरे जीवन जन संस्कृति आंदोलन को जनता के बीच ले जाने का कार्य करते रहे।

पटना से आयीं महिलाओं की नाट्य संस्था कोरस की संयोजक समता राय ने अजय कुमार की

सिक्कों के जरिए इतिहास की शिक्षा को याद किया। अशोक चौधरी ने दस्ता नाट्य टीम के साथ अजय कुमार के जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि वे कहीं गए नहीं हैं। वे हम सभी में मौजूद हैं। मशहूर कवि नरेश सक्सेना अजय कुमार को याद करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यदि जौनपुर का ह्लपानीह्व बचाना है तो अजय कुमार को याद रखना जरूरी है।

समकालीन जनमत के प्रधान संपादक रामजी राय ने उनकी प्रतिबद्धता पर बात करते हुए उनकी कविता के हवाले से कहा कि उन्होंने अपने समय के सारे ज्वलंत सवालों पर लिखा लेकिन उसका सुर मद्धम है ।कविता में वह अपनी आलोचना के साथ समाज की भी आलोचना करते हैं।

अमर उजाला के पूर्व संपादक प्रभात ने उनके साथ अपनी यादें साझा करते हुए उनके लोकतांत्रिक जीवन मूल्य, व्यवहार की चर्चा करते हुए उनसे जौनपुर का इतिहास समझने के अनुभवों के साथ साथ अजय जी के महत्वपूर्ण कामों की चर्चा की। लखनऊ से आए मूर्तिकार धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि वे चित्र कविता लेख ही नहीं गढ़ते थे, मनुष्य भी गढ़ते थे ।पटना से आयीं महिलाओं की नाट्य संस्था कोरस की संयोजक समता राय ने अजय कुमार की सिक्कों के जरिए इतिहास की शिक्षा को याद किया। अशोक चौधरी ने दस्ता नाट्य टीम के साथ अजय कुमार के जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि वे कहीं गए नहीं हैं। वे हम सभी में मौजूद हैं। अमेठी के अग्रेसर में सावित्री बाई फुले पुस्तकालय का संचालन कर रहीं शिक्षिका ममता सिंह ने कहा कि जब भी जौनपुर को याद किया जाएगा अजय जी को भी याद किया जाएगा।

जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कौशल किशोर ने कहा की अजय कुमार ने हम लोगों को चीनी साहित्य से परिचय कराया। उन्होंने हिंदी-उर्दू की साझी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए अथक कार्य किया।

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी वीएन सिंह ने अपनी जौनपुर की तैनाती के समय से परिचय और दोस्ती का संस्मरण सुनाते हुए कहा कि अजय कुमार अदबी दुनिया में सूफी संत सरीखे थे। उन्होंने खूब संस्मरण लिखे हैं जिनमें अभी बहुत कुछ प्रकाशित नहीं हुआ है।

बलिया से आयीं शिक्षिका निशा ने अजय कुमार के घर के आत्मीय और लोकतांत्रिक माहौल की चर्चा की

करते हुए कहा कि युवाओं को अपूर्व स्नेह और मार्गदर्शन मिला। कला कम्यून के उदय यादव ने कहा कि उनके जैसे अनगिनत लोगों को अजय कुमार ने सांस्कृतिक आंदोलन से जोड़ा। कवि एवं चिकित्सक डॉ. प्रतीक मिश्र ने कहा कि अजय कुमार जी पूरा जीवन मनुष्यता के लिए समर्पित था। मृत्यु के बाद उनकी देह चिकित्सा विज्ञान के छात्र-छात्राओं के अध्ययन के काम आ रही है तो उनकी आँखों से दो बच्चे इस दुनिया को देख रहे हैं।

स्मृति शेष अजय कुमार के सुपुत्र और जाने माने सिनेमेटोग्राफर अपल सिंह ने कहा कि अजय कुमार उनके पिता नहीं दोस्त थे। उन्होंने हमेशा मेरे साथ एक साथी की तरह व्यवहार किया। उनकी यायावरी ने मुझे भी यायावर बनाया। एडवोकेट मेहंदी राजा ने अजय कुमार के जौनपुर से विधानसभा चुनाव लड़ने के संस्मरण को साझा किया। उन्होंने हमें कम संसाधन में चुनाव लड़ने और जनता से संवाद करने करने का गुर सिखाया। कवि धीरेंद्र पटेल ने जौनपुर में पढ़ने की संस्कृति को विकसित करने में अजय कुमार के योगदान की चर्चा की।

धन्यवाद ज्ञापन जन संस्कृति मंच, उत्तर प्रदेश के सचिव डॉ. रामनरेश राम ने किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे समकालीन जनमत के संपादक के. के. पांडेय ने कहा कि अजय कुमार लोकतंत्र को व्यवहार में सिखाने वाले व्यक्ति थे। इस अवसर पर बयार टीम के डीपी सोनी बंटू और अंकुर राय ने वामिक जौनपुरी की रचना ‘गम की नाव चलती है’ गाकर सुनाया। कार्यक्रम में दिल्ली से आए वरिष्ठ कवि देवी प्रसाद मिश्र, चर्चित कवयित्री रूपम मिश्र और युवा कवि शशांक ने अजय कुमार की कविताओं का पाठ किया। सभागार में अजय कुमार के चित्रों का प्रदर्शन भी किया गया।

स्मृति सभा में भाकपा माले के पूर्व विधायक विनोद सिंह, वाराणसी से आए लेखक वीके सिंह, आजमगढ़ से तारिक अली, मनीष चौबे, साक्षी, भानु, कथाकार नीलम शंकर, जनमत संपादक मंडल के दिनेश अस्थाना, मोहम्मद हसन पीजी कालेज के प्राचार्य अब्दुल कादिर,अजय कुमार की जीवन संगिनी आशा सिंह, परिजन सहित शहर के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

उर्मिला फिलिंग स्टेशन के संचालक दुर्गेश मिश्रा के द्वारा भंडारे का आयोजन संपन्न

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास के महीने में चल रे कांवरिया शिव के धाम के तर्ज पर जगह-जगह भंडारा का आयोजन तथा सत्कार किया जाता है। यह कावड़ यात्रा की पहचान है। सावन मास और कावड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की वह चेतन है ।जिसमें केवल शक्ति ही नहीं जीवन के गुढ शिवत्व समाहित हैं। यह केवल तीर्थ ही नहीं बल्कि कर्म, तप और श्रद्धा का महामार्ग है । लोग अपने-अपने शक्ति के अनुसार दान करते हैं, उसी तर्ज पर प्रतिवर्ष की बात इस वर्ष भी प्रतापगढ़ जनपद के अंतर्गत ग्राम पिपरी खालसा मोड़ निवासी उर्मिला फिलिंग स्टेशन के मालिक पंडित दुर्गेश मिश्रा (विक्की) ने दिनांक 2 अगस्त 2025 दिन शनिवार को सुबह 6:00 बजे से बाबा बलेखर नाथ धाम (प्रतापगढ़) पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।यह आयोजन दुर्गेश मिश्रा तथा उनके परिवार के द्वारा किया गया । बता दें दुर्गेश मिश्रा विक्की दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार अवधेश मिश्रा (रिक्की) के बड़े भाई है। उस शुभ अवसर पर पिता विजय शंकर मिश्रा मध्य प्रदेश पुलिस प्रशासन व बड़े पिता रमाशंकर मिश्रा सूबेदार , दया शंकर मिश्रा , भतीजे अनुराग मिश्रा एवं उर्मिला फिलिंग स्टेशन के प्रबंधक अभिषेक सिंह गुड्डू व चाचा जटाशंकर मिश्रा , धर्मराज मिश्रा , पिपरी खालसा निवासी तीर्थराज मिश्र , अमित मिश्रा , राजन मिश्रा और विशेष अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष आशुतोष पांडे सहित कई गण लोग उपस्थित थे।

शहडोल स्कूल घोटाले पर एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया की प्रेस वार्ता, करोड़ों के घोटाले का खुलासा

शहडोल (उत्तरशक्ति)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा विभाग से जुड़े एक बड़े भ्रष्टाचार का पदार्फाश हुआ है। इस गंभीर मामले को लेकर एंटी करप्शन क्राइम ऑफ इंडिया, जिसे भ्रष्टाचार मुक्त भारत के नाम से भी जाना जाता है, ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चौंकाने वाले तथ्यों को सार्वजनिक किया और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल गुप्ता ने बताया कि शहडोल के शासकीय हाई स्कूल, सकंदी में सिर्फ चार लीटर पेंट की पुताई के लिए 168 मजदूरों और 65 मिस्त्रियों को कागजों पर दशार्या गया। इस कथित कार्य के लिए 1,06,984 की राशि का बिल पास कर सरकारी खजाने से भुगतान भी कर लिया गया। यह खुलासा 5 जुलाई 2025 को उस समय हुआ, जब संस्था को एक गुप्त सूचना मिली। तत्परता दिखाते हुए भ्रष्टाचार मुक्त भारत ने मामले की प्राथमिक जांच कराई और उसी दिन जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) को लिखित शिकायत भी भेजी। संस्था ने प्रेस वार्ता में कहा कि यह केवल एक उदाहरण है, जबकि ऐसे कई स्कूलों में इसी प्रकार की फजीर्वाड़े की शिकायतें मिल रही हैं। संस्था ने मांग की है कि सरकार इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करे। संस्था ने आगे यह भी संकेत दिया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वह लोकायुक्त, मानव अधिकार आयोग और उच्च न्यायालय तक इस मामले को ले जाने के लिए तैयार है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी86 पावर

रांची (उत्तरशक्ति)। मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया का बड़ा नाम और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, ने मोटो जी86 पावर लॉन्च किया। यह जी-सीरीज का एक शानदार फोन है, जिसमें 20,000 रुपये से कम कीमत में बेहतरीन फीचर्स दिये गये हैं। इसमें 6.67 इंच 1.5के पोलेड सुपर एचडी फ्लैट डिस्प्ले है, जो इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा चमकदार (4500 निट्स ब्राइटनेस के साथ) है। इसमें 120एचजेड रिफ्रेश रेट और गोरिल्ला ग्लास 7 प्रोटेक्शन भी है, जो स्क्रीन को मजबूत और स्मूथ बनाता है। फोन में मोटो एआई के साथ सेगमेंट का अग्रणी 50 एमपी वोआईएस सोनी लिटिया 600 कैमरा आता है और सभी लेंस से 4के वीडियो रिकॉर्डिंग करता है। इसके साथ 8एमपी अल्ट्रावाइड

प्लस मैक्रो विजन लेंस और 32एमपी सेल्फी कैमरा भी इसमें मौजूद है। 6720एमएच की बड़ी बैटरी के साथ यह 2 दिन से ज्यादा चलती है। मोटो जी86 पावर आईपी68 प्लस आईपी69 अंडरवाटर प्रोटेक?शन और एमआईएल- एसटीडी-810एच मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरैबिलिटी के साथ अपनी श्रेणी में सबसे मजबूत फोन है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 प्रोसेसर की वजह से यह फोन मल्टीटास्किंग और गेमिंग में बहुत तेज है। यह 8 जीबी रैम प्लस 128 जीबी स्टोरेज के वैरिएंट में आता है और इसकी कीमत सिर्फ 16,999 रुपये है।

मल्टी एलओ मीट हुई संपन्न पीहू के नृत्य की हुई सराहना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जेसीआई के मल्टी एलओ मीट के कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के पीहू खरे के मनमोहक नृत्य से हुआ सभी लोगों का मन मोह लिया इस मौके पर जेएफएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सिद्धार्थ भटनागर ने पीहू खरे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया कीराष्ट्रीय उपाध्यक्ष क्षेत्र ई जेएफएस सिद्धार्थ भटनागर के आगमन पर होटल रघुवंशी, जौनपुर में मल्टी एलओ मीट संपन्न हुई ।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष क्षेत्र ई जेएफएस सिद्धार्थ भटनागर के आगमन पर जोन प्रेसिडेंट जेएफडी गौरव अरोड़ा,जोन वाइस प्रेसिडेंट जेएफएम सोनम चतुर्वेदी एवं टूर कॉर्डिनेटर जेएफएम गौरव सेठ की उपस्थिति में मल्टी एलओ मीट का आयोजन होटल रघुवंशी, जौनपुर में किया गया था ।इस अवसर पर जेसीआई जौनपुर के अध्यक्ष जेसी नीरज श्रीवास्तव, जेसीआई जौनपुर

चेतना की अध्यक्ष जेसी ज्योति श्रीवास्तव, जेसीआई जौनपुर युवा के अध्यक्ष जेसी अवनीश केशरवानी, जेसीआई शाहगंज सिटी की अध्यक्ष जेसी दीपा सेठ एवं जेसीआई शाहगंज संस्कार के अध्यक्ष जेएफडी विनायक गुप्ता ने अपनी कार्य रिपोर्ट प्रस्तुत की।नेशनल वाइस प्रेसिडेंट जेएफएस सिद्धार्थ भटनागर ने जेसीआई के महत्व पर प्रकाश डाला एवं सभी अध्यक्षों की उत्कृष्ट कार्यशैली की सराहना की। इस दौरान पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेसी अनिल सिंह, पास्ट जोन प्रेसिडेंट जेसी आलोक सेठ, पास्ट जोन प्रेसिडेंट जेसी राधे रमन जायसवाल, जेएफएम गुलाम साबिर, जोन कॉर्डिनेटर जेसीआई सेन विशाल गुप्ता, जोन कॉर्डिनेटर जेसी मीरा अग्रहरि, जोन कॉर्डिनेटर जेसी आकाश केशरवानी सहित संगठन के कई पूर्व अध्यक्षों एवं टीम सदस्यों की उपस्थिति रही।

बारिश ने बिगाड़ी शहर की सूरत: शहर के केनरा बैंक के सामने जल जमाव

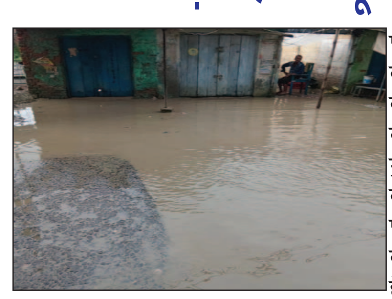

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में रिमझिम बारिश से रविवार के दिन शहर के विभिन्न गलियों व मुख्य मार्ग पर सड़क पर जल जमाव से राहगीरों को परेशानी का सामना झेलना पड़ा। शहर का हिर्दलीय स्थल कहे जाने वाला पोस्ट ऑफिस चौक रास्ते की स्थिति बद से बढ़कर बदतर हो गई है। पोस्ट ऑफिस चौक से गुजरने वाले लोग काफी दूरी का फेर लगाकर मुख्य सड़क पर चढ़ते हैं। वही हाल महाराजगंज महुआरी सड़क में केनरा बैंक के पास सड़क पर जल जमाव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बड़े बाहनों या छोटे बाहनों को गुजरने पर कीचड़मय पानी की छीटें लोगों के कपड़ों पर पढ़ते हैं, जिससे तू -तू ,मैं- मैं की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। केनरा बैंक नगर पंचायत क्षेत्र में पड़ता है। सड़क किनारे के नाले जाम पड़े हैं जिससे पानी का निकासी नहीं हो पता है। स्थानीय लोगों ने जल जमाव के निकासी के लिए कई बार नगर अध्यक्ष से कहीं खुद उनके प्रतिनिधि शक्ति शरण प्रसाद, स्थल पर जाकर स्थिति का जायजा भी लिया बावजूद इसके कई महीने बीत जाने पर भी उन्होंने जल्द की निकासी करवाना मुनासिब नहीं समझा जिसके कारण स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वही हाल रेलवे ढाला की है। हल्की बारिश में भी कीचड़ में सड़क से लोगों की परेशानी बढ़ जाती है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पलटा ऑटो, चालक की मौत

कानपुर(उत्तरशक्ति)। पनकी थानाक्षेत्र में शनिवार रात भौंती गैस प्लांट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से ओला ऑटो पलट गया। ऑटो के नीचे दबकर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। ग्वालटोली के खलासी लाइन निवासी रामबाबू का बेटा सनी कुमार (30) ओला ऑटो चलाता था। भतीजे ऋषभ ने बताया कि शनिवार की देर रात कोई सवारी चाचा सनी की ऑटो बुक कराकर पनकी गई थी। जहां देर रात करीब एक बजे लौटते समय किसी अज्ञात वाहन ने हाईवे पर ऑटो में टक्कर मार दी। पनकी पुलिस के अनुसार गनीमत रही कि हादसे के समय ऑटो खाली था। नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी।

गंगा-वरुणा के संगम से उभरी आपदा, प्रशासन मुस्तैद, पुलिस ने बैरिकेडिंग की

-सुरेश गांधी

वाराणसी. अब मां गंगा हमारे आंगन में हैं, लेकिन इस बार बरसों की पूंजी भी बहा ले गईं...यह हम नहीं, बल्कि गंगा किनारे रह रहे 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला कलावती का कहना है। जबकि सामने घाट के गोविन्द बिहारी कहते है, गंगा अब केवल घाट तक नहीं, हमारे दरवाजे तक आ चुकी हैं...उनके इन शब्दों में भय, बेबसी और आस्था का त्रिवेणी संगम झलकता है। बता दें, वाराणसी में गंगा और वरुणा के जलस्तर में निरंतर बढ़ाव से हालात भयावह हो गए हैं। खतरे के निशान 71.26 को पार कर गंगा ने 71.71 मीटर तक की न सिर्फ ऊंचाई छू ली है, बल्कि खतरे के निशान को भी पार गया है।

हालत यह है कि अब घाट ही नहीं, शहर के कई हिस्सों तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। सभी 84 घाटों का संपर्क टूट चुका है। शीतला घाट पर मंदिर पूरी तरह जलमग्न हो गया है। सिंधिया घाट पर रत्नेश्वर महादेव मंदिर का केवल शिखर दिखाई दे रहा है। श्री काशी विश्वनाथ धाम के ह्यगंगा द्वारह्न से जल अब सिर्फ 4 सीढ़ियां दूर है। दशाश्वमेध घाट की भी तीन सीढ़ियां शेष हैं। नमो घाट पर बने स्कल्पचर डूब गए हैं। अस्सी घाट पर गंगा का पानी अब सड़क पर बह रहा है। सामनेघाट के अघोर फाउंडेशन, महेशनगर कॉलोनी, जगन्नाथ मंदिर तक पानी पहुंच चुका है।

बता दें, गंगा की लहरें जब-जब उफनती हैं, काशी की सांस्कृतिक, धार्मिक और जनजीवन की परंपरा भी डगमगाने लगती है। इन दिनों वहीदृश्य वाराणसी में साकार हो रहा है, जब एक ओर पौराणिक 84 घाट जलमग्न हैं तो दूसरी ओर गंगा-वरुणा की बेलगाम लहरें अब रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर चुकी हैं। 71.26 मीटर के खतरे के निशान को पार कर चुकी गंगा अब चेतावनी बिंदु से भी आगे बढ़ने को तैयार दिख रही है। नतीजा यह है कि मंदिर, आश्रम, कॉलोनियां, खेत और जनजीवन, सब कुछ इस संकट में समाहित होता जा रहा है। काशी के प्रमुख घाट, दशाश्वमेध, शीतला, सिंधिया, नमो घाट, अब पानी की गिरफ्त में हैं। रत्नेश्वर महादेव मंदिर

का शिखर ही दिखाई दे रहा है और शीतला माता मंदिर पूरी तरह डूब गया है। जल पुलिस की चौकी भी जलमग्न है। यह अलग बात है कि गंगा-वरुणा के उफान के बीच जहां जनजीवन संकट में है, वहीं प्रशासनिक अमला सतर्क दिखाई दे रहा है।

गंगा की चेतावनी : अब जरूरत है दीर्घकालिक जल प्रबंधन की या बाढ़ केवल आपदा नहीं, अवसर भी है, तटीय संरचनाओं की पुनर्समीक्षा का. वाराणसी जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र में हर वर्ष आने वाली बाढ़ की पुनरावृत्ति पर दीर्घकालिक नीति की आवश्यकता है। तटीय सुरक्षा बांध, चेतावनी प्रणाली, राहत शिविर की स्थायी संरचना की योजना। जल आयोग के अनुसार, खतरे के बिंदु 80 मीटर के निकट पहुंच चुका स्तर, तत्काल रिस्पांस टीमों का पुनर्गठन। नदी के पर्यावरणीय प्रवाह को बनाए रखते हुए घाटों की संरचना को जलग्रहण-अनुकूल बनाना होगा।

बस्तियों में घुसा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

गंगा की सहायक नदी वरुणा भी अपने उफान पर है। महेशनगर, अघोर फाउंडेशन, जगन्नाथ मंदिर और कोनिया के कई गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। कोनिया, हरिरामपुर, इटहरा, धनतुलसी, कलातुलसी जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 200 बीघा धान, बाजरा और अरहर की फसल जलमग्न हो चुकी है। सड़कों पर तीन से चार फीट पानी भरने से दर्जनों गांवों का संपर्क टूट गया है। 50 हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, जिनमें कई परिवारों ने अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है।

प्रशासन सतर्क, राहत कार्य तेज

ऐसे संकट के समय में प्रशासन की सक्रियता राहत पहुंचा सकती है। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने नाव पर सवार होकर अस्सी घाट से नेपाली मंदिर तक बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण किया और राहत कार्यों की गहन समीक्षा की। उप जिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया गया कि कोई भी व्यक्ति या पशु बाढ़ में न फंसे। बाढ़ राहत किट तत्काल वितरित की जाएं और बाढ़ शिविरों में स्वच्छता, भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित हो। राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने भी चौकाघाट स्थित राहत शिविर में पीड़ितों से भेंट कर उन्हें राहत सामग्री सौंपी और अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी को भी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए परेशान न होना पड़े।

काशी की बाढ़ इस बार केवल एक भौगोलिक आपदा नहीं, बल्कि प्रशासनिक समर्पण और सामुदायिक सहयोग की परीक्षा है। प्रशासन, एनडीआरएफ, जल पुलिस, नगर निगम तथा सामाजिक संगठनों का समन्वय उल्लेखनीय है, लेकिन अभी सबसे बड़ी चुनौती है, आगामी दिनों में जलस्तर के और बढ़ने की आशंका। गंगा जब अपने रौद्र रूप में आती हैं, तो श्रद्धा की कसौटी पर भी जनधर्म और राजधर्म खरा उतरना चाहिए। ऐसे में यह आवश्यक है कि प्रभावितों तक हरसंभव मदद तत्काल पहुंचे और दीर्घकालिक पुनर्वास की योजना भी बनाई जाए। वैसे भी बाढ़ के इस संकट को केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानव-नियंत्रण, शहरी नियोजन, और प्रशासनिक संवेदनशीलता की कसौटी के रूप में देखे जाने की जरूरत है। काशीवासियों की जीवटता और आस्था की डोर बहुत मजबूत है, लेकिन इसके साथ प्रशासनिक तत्परता और नीतिगत समर्थन भी जरूरी है। बाढ़ के इस उफान को अवसर बनाकर नगर के तटीय सुरक्षा ढांचे और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को भविष्य के लिए और अधिक सुदृढ़ करना होगा।

भदोही के कोनिया, इटहरा, हरिरामपुर, धनतुलसी जैसे ग्रामीण इलाकों में खेत, घर, सड़क सब पानी में डूब गए हैं। 200 बीघा से अधिक बाजरा, अरहर और धान की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। तीन ओर से गंगा से घिरे कोनिया में मंदिरों के परिसर में पानी भर गया है। गंगेश्वरनाथ मंदिर में दो फीट पानी है। उड़िया बाबा आश्रम और मौनी बाबा आश्रम तक पानी पहुंच गया है। चौकाघाट के सरस्वती विद्या मंदिर में स्थापित राहत शिविर में राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल पहुंचे। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, अपर जिलाधिकारी बंदिता श्रीवास्तव के साथ शिविर में रह रहे लोगों से मुलाकात की और उन्हें राहत सामग्री सौंपी। मंत्री ने कहा, ह्लबाढ़ की इस घड़ी में सरकार हर पीड़ित के साथ खड़ी है। पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा और साफ-सफाई, हर सेवा की जिम्मेदारी तय है। हर वर्ष जब गंगा उफान पर आती है, तो घाट, मंदिर, आश्रम और गलियां पानी में समा जाती हैं। पर सवाल यह है, क्या हर वर्ष काशीवासियों को यह त्रासदी ऐसे ही सहनी होगी? गंगा के बाढ़ का स्वरूप अब पारंपरिक नहीं रहा, बल्कि यह बदलती जलवायु, अनियोजित शहरी विस्तार और कमजोर तटीय सुरक्षा ढांचे की देन है। स्थायी बाढ़ राहत केंद्रः अस्थायी शिविरों की जगह सुरक्षित, ऊंचे प्लेटफॉर्म पर स्थायी बुनियादी ढांचे की योजना बनाई जाए। तटीय सुरक्षा बाँधों की समीक्षाः वर्षों पुराने घाटों और संरचनाओं को जलग्रहण-अनुकूल बनाया जाए। पूर्व चेतावनी तंत्र (अर्ली वार्निंग सिस्टम) को जीपीएस/सेटेलाइट आधारित बनाया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को पहले से जानकारी मिल सके। फसल क्षति का बीमा और पुनर्वास योजना को सक्रिय किया जाए। खास यह है कि काशी न केवल भारत की सांस्कृतिक राजधानी है, बल्कि भावनात्मक आस्था का केंद्र भी है। यहाँ की बाढ़ महज एक आपदा नहीं, बल्कि नीति-नियोजन की अग्निपरीक्षा भी है।

अजय प्रजापति ने 14 अगस्त बलिदान दिवस पर की 1000 रुपये अनुदान की अपील

शहीद रामचंद्र विद्यार्थी की स्मृति में मध्यप्रदेश के सतना में विद्यालय निर्माण का संकल्प

मुंबई। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट के संस्थापक एवं संतराम बी.ए. एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के उपाध्यक्ष अजय प्रजापति ने सम्पूर्ण भारतवासियों से भावनात्मक अपील की है कि 14 अगस्त, जो देश के सबसे कम उम्र के शहीद रामचंद्र प्रजापति विद्यार्थी का बलिदान दिवस है, उसे एक ऐतिहासिक और प्रेरणास्पद दिवस के रूप में मनाया जाए। अजय प्रजापति ने जानकारी दी कि शहीद रामचंद्र जी की स्मृति में मध्यप्रदेश के साटन जिले में एक विद्यालय का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है, ताकि उनकी शहादत को चिरस्थायी रूप से भावी पीढ़ियों के बीच जीवित रखा जा सके। इस पुनीत कार्य हेतु उन्होंने देश के सभी देशभक्तों, समाजसेवियों एवं प्रजापति समाज के प्रत्येक परिवार से अपील की है कि 14 अगस्त से पूर्व न्यूनतम 1000 का आर्थिक सहयोग इस विद्यालय निर्माण हेतु शिक्षा दान के रूप में समर्पित करें, यह न केवल एक शहीद को श्रद्धांजलि होगी, बल्कि शिक्षा रूपी दीप को प्रज्वलित करने का एक महान प्रयास भी होगा। सहयोग देने वाले सभी महानुभावों के नाम विद्यालय निर्माण अभियान से जुड़े दस्तावेजों और स्मृति पट्ट पर दर्ज किए जाएंगे।

श्री रामलीला मंचन हेतु समिति की बैठक संपन्न

-आदेश मिश्र

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट द्वारा आयोजित आगामी 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2025 तक की रामलीला मंचन हेतु समिति की बैठक रखी गई। यह बैठक समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की अध्यक्षता में 3 अगस्त दिन रविवार को घाटकोपर वेस्ट स्थित सागर पार्क में बैठक रखी गई। बैठक में नए सदस्यों को समिति में जोड़ने पर जोर दिया गया।और उपस्थित कार्यकारिणी के लोगों के सहमति से कार्यक्रम की तैयारी हेतु विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, सचिव दिवाकर मिश्र, और समिति के सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय, मनोज सिंह, विमलेश मिश्र, अरविंद शुक्ल, दिनेश सिंह, बृजेश शुक्ल, बीडीसी संजीत सिंह, राजन सिंह, राजेश सिंह, पंकज सिंह, ब्रह्मदेव दुबे, रामतीरथ शर्मा, अवधेश तिवारी, विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र, प्रेम तिवारी, किशन शर्मा, विपिन सिंह, सद्भावना यादव मौजूद थे।

बस एक ही नारा है-मुलुंड को बचाना है, अदानी को सबक सिखाना है, जन जागरूकता फैलाना है!

मुंबई। धारावी पुनर्वसन परियोजना के अंतर्गत लगभग 5 लाख लोगों को मुलुंड में बसाने की योजना का महाविकास आघाडी ने जोरदार विरोध किया है। इस नियोजित पुनर्वसन के कारण पर्यावरण को होने वाली अपूरणीय क्षति और मुलुंड के बुनियादी ढांचे पर संभावित भीषण दबाव को लेकर महाविकास आघाडी के नेतृत्व में एक दिवसीय भूख हड़ताल का आयोजन किया गया।

यह आंदोलन राकेश शंकर शेट्टी (प्रवक्ता, महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति) के नेतृत्व में मुलुंड (पूर्व) रेलवे स्टेशन के निकट आयोजित किया गया। इस आंदोलन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे) और समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने भारी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद वर्षा एकनाथ गायकवाड (उत्तर मध्य मुंबई), अध्यक्ष झ्र मुंबई कांग्रेस, डॉ. ज्योति गायकवाड (विधायक धारावी विधानसभा), रमेश कोरगावकर (पूर्व विधायक एवं भांडुप विभाग प्रमुख शिवसेना उबाठा), राजोल संजय पाटील (युवा सेना समन्वयक), पुरुषोत्तम दलवी (मुलुंड समन्वयक), अमित पाटील (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता), रमा शंकर तिवारी (महासचिव झ्र समाजवादी पार्टी), निसार खान (जिलाध्यक्ष सपा), उत्तम गीते (कार्याध्यक्ष ई.मु. जिला कांग्रेस), डॉ. बाबूलाल सिंह, डॉ. आर. आर. सिंह, राजेश इंगले, भरत सोनी, मधुकर म्हात्रे, कैलास पाटील, साहब दयाल सिंह, डॉ. सचिन सिंह, बीरेंद्र चतुर्वेदी, मालती पाटील, एड. शरीफ खान, सुनील जैन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

राकेश शंकर शेट्टी के साथ भगवान किशोर तिवारी एवं अब्दुल जब्बार 12 घंटे के उपवास पर बैठे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मुलुंड के दो लाख परिवारों के लिए आज भी पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं, और ऐसे में तीन लाख बाहरी लोगों को बसाने की योजना मुलुंडवासियों पर अन्याय है।

श्री शेट्टी ने भाजपा नेताओं द्वारा चुनाव पूर्व किए गए वादों पर तंज कसते हुए सवाल उठाया क्या हुआ तेरा वादा? और कहा कि भाजपा नेता केवल झूठे वादे करते हैं और मुलुंड की सारी जमीनें अदानी को सौंप दी गई हैं। रात्रि 9:30 बजे मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती वर्षा गायकवाड ने स्वयं अनशन स्थल पर आकर श्री राकेश शेट्टी को जूस पिलाकर अनशन समाप्त करवाया। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि धारावीवासियों को वहीं पुनर्वसित किया जाए, और मुलुंड में रहने वाले झोपड़ाधारकों को यहीं स्थायी पुनर्वसन दिया जाए। संजय घरत, श्रीकृष्णा कानेकर, अरविंद यादव, राजन उठवाल, विठ्ठल सातपुते, राकेश राघवन, आदित्य गीते, मोहनलाल राज, सुनील पाटील, राजेश मिश्रा, दिलीप गुप्ता, श्रीकांत साळुंके और अन्य कार्यकताओं ने दिन-रात मेहनत की।

ओबरा थाना क्षेत्र में बिना वैध कागजात के खनिज ढो रहे चार वाहनों को जब्त किया गया जब्त

ओबरा,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। सोनभद्र में अवैध खनन पर पुलिस और खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई एक वाहन चालक गिरफ्तार हुई है। ओबरा थाना क्षेत्र में बिना वैध कागजात के खनिज ढो रहे चार वाहनों को जब्त किया गया है। एक वाहन चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जबकि बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। अवैध खनन और उसके परिवहन पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। सोनभद्र के ओबरा थाना क्षेत्र में पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनिज लदे चार वाहनों को पकड़ लिया।

ये वाहन बिल्लीझमारकुंडी क्षेत्र से खनिज भरकर ले जाए जा रहे थे। जब टीम ने वाहनों को रोका और कागजात मांगे। तो कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखाया जा सका। चारों वाहनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं, एक वाहन चालक धर्मेंद्र पटेल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। बाकी वाहन चालक और वाहन स्वामी फरार हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में ओबरा थाना पुलिस के साथ खनिज विभाग की टीम भी मौजूद रही। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी इस तरह की कार्रवाइयाँ लगातार जारी रहेंगी।

सिंचाई के लिए किसानों को मिलेगी डीजल अनुदान की राशि

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में प्रखंड के कृषि पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि कम बारिश होने पर पंपसेट से सिंचाई के लिए डीजल सब्सिडी देने का सरकार ने निर्देश दिया है। डीजल सब्सिडी के लिए प्रारूप तैयार किया गया है। डीजल के लिए 75 रुपये प्रति लीटर के हिसाब से अनुदान मिलेगा। एक हेक्टेयर में सिंचाई के लिए 10 लीटर डीजल की आवश्यकता होगी। इसी हिसाब से 750 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से डीजल सब्सिडी दी जायेगी। प्रति किसान अधिकतम आठ एकड़ के लिए किसानों को अनुदान मिलेगा। एक परिवार से एक ही सदस्य को इसका लाभ मिलेगा। खड़ी फसलों के लिए सिंचाई के लिए सभी श्रेणी के किसानों को सहायता दी जायेगी। खड़ी फसल की अधिकतम तीन सिंचाई के लिए प्रति एकड़ 2250 रुपये मिलेंगे।

कागजों में सिमटा पंचायत में डोर टू डोर कचरा उठाव

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में स्थानीय प्रखंड के पंचायतों में डोर टू डोर कचरा उठाव केवल कागजों तक ही सिमट कर रह गई है। प्रखंड के आधा से ज्यादा पंचायतो में कचरा घर बन चुके हैं। कचरा उठाव के लिए रिक्शा, ई रिक्शा आदि की खरीद हो चुकी है तथा कचरा रखने हेतु बाल्टी भी वितरण की जा चुकी है। पर धरातल पर कही भी कचरा उठाव होते नजर नहीं आ रहा है। कचरा उठाव की व्यवस्था काफी लचर है। जिसके कारण सभी पंचायतो में अभी भी कचरा सड़क किनारे या यत्र तत्र फेंके जा रहे हैं। जिन पंचायतो में कचरा प्रबंधन इकाई का निर्माण हुआ है,वहां की भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहीं बहुत से पंचायतों में कचरा प्रबंधन इकाई का अभी भी निर्माण नहीं किया गया है। प्रखंड क्षेत्र के लगभग सभी पंचायतो में यहां वहां कचरा फेंके जाने से आम लोगों को काफी परेशानी होती है।

चीन के विदेश मंत्री ने पाक आर्मी चीफ को किया शर्मिंदा, खरी-खोटी सुनाई व दी सख्त चेतावनी!

बीजिंग। खुद को चीन का आयरन ब्रदर कहने वाला पाकिस्तान इस बार अपने ही दोस्त के सामने कटघरे में खड़ा हो गया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर इस समय आधिकारिक दौरे पर चीन में हैं, लेकिन उनकी यह यात्रा अब पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गई है। दरअसल, बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख से साफ-साफ कहा कि पाकिस्तान को अपनी जमीन पर काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी ही होगी। वांग यी ने यह मुद्दा खुलकर इसलिए उठाया क्योंकि बीते कुछ सालों में पाकिस्तान में चीन के नागरिकों को लगातार आतंकियों का निशाना बनाया जा रहा है।

पिछले कुछ सालों में कराची, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा जैसे इलाकों में चीनी नागरिकों और प्रोजेक्ट्स पर बार-बार आतंकी हमले हुए हैं। सिर्फ पिछले साल अक्टूबर में कराची एयरपोर्ट के पास हुए आत्मघाती हमले में ही 5 चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। इसके अलावा CPEC (चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर) से जुड़े कई प्रोजेक्ट भी हमलों की चपेट में आ चुके हैं। विदेश मंत्री वांग यी ने आसिम मुनीर से मुलाकात के दौरान साफ कर दिया कि चीन अपने नागरिकों की जान के साथ समझौता नहीं करेगा। उन्होंने पाक आर्मी चीफ को याद दिलाया कि चीनी इंजीनियर, डॉक्टर और कंपनियों के कर्मचारी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दे रहे हैं, लेकिन बार-बार हमलों से चीन की जनता में गुस्सा बढ़ रहा है।

इस फटकार के बाद जनरल आसिम मुनीर ने चीन को भरोसा दिलाया कि पाकिस्तानी सेना और सरकार चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट और आर्मी की तैनाती से लेकर आतंकी नेटवर्क के खिलाफ अभियान तक सभी उपाय किए जाएंगे। हालांकि चीन ने साफ संकेत दिया कि सुरक्षा इंतजाम नाकाफी हैं, इसलिए पाक सरकार को जमीनी हकीकत पर ज्यादा फोकस करना होगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह घटना दिखाती है कि पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा हालात कितने कमजोर हैं और उसका आयरन ब्रदर टैग अब दांव पर है।

पुलिस नें 20 किलो 870 ग्राम नाजायज गाँजा व एक मारुति सुजुकी के साथ दो आरोपियों गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मीरगंज पुलिस टीम द्वारा रात्रि गस्त व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान आरोपीगण 1.सुरज गौतम पुत्र श्यामामिलन निवासी लोहरियाँव थाना महाराजगंज जनपद जौनपुर 2. प्रज्ञादीप सागरवाल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी रखवा बेलवा थाना मडियाहूँ जनपद जौनपुर को 20 किलो 870 ग्राम नाजायज गाँजा मय एक अदद मारुति सुजुकी छ6 वाहन सं0 वढ32टश8782 के साथ थाना मीरगंज क्षेत्र के बभनियाँव-बादशाहपुर रोड बहद ग्राम सेमरी हाईवे अण्डर पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 103/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट बनाम 1.सुरज गौतम पुत्र श्यामामिलन निवासी लोहरियाँव थाना महाराजगंज जनपद जौनपुर, 2. प्रज्ञादीप सागरवाल पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी रखवा बेलवा थाना मडियाहूँ जनपद जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।

सावन में लगे भंडारा का हुआ समापन

चिराना। प्रगतिशील कुमावत समिति के सानिध्य में यहां के गणेश विश्राम गृह में सीकर के सोनी परिवार द्वारा कावड़ियों के लिए लगाया गया श्रावण मास का भंडारा आज रविवार शाम को सम्पन्न हुआ। हर साल की भांति इस वर्ष भी बालकिशन सोनी परिवार द्वारा भंडारा लगाया गया।सावन का अंतिम भंडारा रविवार को स्वादिष्ट दाल चूरमा की प्रसादी के साथ शाम देर तक चलता रहा।शिव भक्तों एवं राहगीरों के लिए खाने के साथ निःशुल्क चाय पानी की व्यवस्था भी इनकी ओर से पूरे दिन भर रही। इस दौरान भंडारे में सेवा देने वाले लक्ष्मी नारायण सोनी,बाबूलाल शर्मा, नटवर शर्मा,परमेश्वर सोनी,शिव कुमार सोनी,भवानी सिंह,ओम प्रकाश, निरंजन सोनी के अलावा समिति के संरक्षक डॉ.राजेंद्र कुमावत,उपाध्यक्ष संतोष कुमावत, सचिवअमोलक पारमूवाल और सक्रिय सदस्य ताराचंद कुंडलवाल श्रीमाधोपुर, से फूलचंद लुहानिवाल,लोकतंत्र सेनानी सोनाराम कुमावत व मंदिर में सेवा दे रहे प्रभु दयाल किरोड़ीवाल भी उपस्थित रहे। शाम को समिति द्वारा सभी कार्यकर्ता व भामाशाहों का माला पहनाकर सम्मान किया गया।

ज्वेलबॉक्स ने मुंबई में विस्तार किया, बोरिवली पश्चिम में अपना 11वां स्टोर खोला

मुंबई। भारत के प्रमुख लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी ब्रांड ज्वेलबॉक्स ने अपने 11वें स्टोर की शुरूआत मुंबई में की है। यह नया स्टोर बोरिवली (पश्चिम) के गुलमोहर रोड स्थित हवेली सोसायटी में खोला गया है। फैशन कैपिटल माने जाने वाले मुंबई में ज्वेलबॉक्स की यह एंट्री शहर के आधुनिक और डिजाइन-प्रेमी ग्राहकों के लिए शानदार ज्वेलरी शॉपिंग का नया अनुभव लेकर आई है। भारत के दक्षिण, पूर्व और उत्तर भारत में सफलता के बाद मुंबई का यह स्टोर पश्चिम भारत में ज्वेलबॉक्स की रिटेल विस्तार योजना में एक अहम पड़ाव है। रणनीतिक लोकेशन और तैयार ग्राहक आधार के कारण यह स्टोर बोरिवली के निवासियों के लिए डेली वियर, गिफ्टिंग और सेलिब्रेशन ज्वेलरी की पसंदीदा जगह बनने जा रहा है। ज्वेलबॉक्स की को-फाउंडर विदिता कोचर जैन ने कहा, मुंबई हमेशा से हमारी ग्रोथ स्ट्रेटेजी में शामिल रहा है। यह शहर बोल्ड, स्टाइलिश और सेल्फ-एक्सप्रेसिव है—यही हमारे ब्रांड की पहचान है। बोरिवली वेस्ट में नए स्टोर के साथ, हम डिजाइन-फर्स्ट ज्वेलरी अनुभव को नई पीढ़ी के ग्राहकों तक पहुंचाने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मिनिमलिस्ट और वॉर्म इंटीरियर से सजे इस स्टोर में लैब-ग्रोन डायमंड ज्वेलरी की शानदार रेंज उपलब्ध है—शानदार सॉलिटेयर रिंग्स और डेली मिनिमल स्टाइल्स से लेकर पुरुषों और खास मौकों के लिए क्यूरेटेड कलेक्शन तक। यह स्पेस क्वालिटी, क्राफ्ट्समैनशिप और सस्टेनेबिलिटी को सहज शॉपिंग अनुभव के साथ जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। लॉन्च सेलिब्रेशन ऑफर के तहत ग्राहकों के लिए सीमित समय तक डायमंड पर 30% और मेकिंग चार्ज पर 20% छूट उपलब्ध है। आने वाले फेस्टिव और वेडिंग सीजन को देखते हुए, ब्रांड को उम्मीद है कि यह स्टोर शहरी प्रोफेशनल्स, यंग कपल्स और स्टाइल-प्रेमी शॉपर्स के बीच लोकप्रिय होगा।

माता की चौकी का आयोजन आज माटुंगा ईस्ट में

-संजय मिश्रा

मुंबई(उत्तशक्ति)। माटुंगा ईस्ट, मुंबई में आज, सोमवार 4 अगस्त को भव्य माता की चौकी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4:00 बजे से होगा। इसके साथ ही सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन के अवसर पर आयोजकों ने क्षेत्रीय नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

रियल एस्टेट कारोबारी गुलशन कुमार से प्लॉट विवाद में मारपीट, शिकायतों की जांच में जुटी पुलिस

नेशनल डेस्कः शहर के जाने-माने रियल एस्टेट कारोबारी और जीके ग्रुप के मालिक गुलशन कुमार के साथ एक प्लॉट को लेकर हुए विवाद में कई लोगों ने गाली-गलौज और हाथापाई की। इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें गुलशन कुमार को कुछ लोगों से बहस करते और अपशब्द सुनते हुए देखा जा सकता है। गुलशन कुमार ने मीडिया को बताया कि यह विवाद जानबूझकर उन्हें बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने बताया कि उनकी कॉलोनी में एक प्लॉट की बिक्री को लेकर गलतफहमी फैलाई गई है। गुलशन कुमार के मुताबिक, एक व्यक्ति ने पहले प्लॉट खरीदा और फिर उसे किसी और को बेच दिया। बाद में नए खरीदार ने प्लॉट की जगह कम होने का हवाला देते हुए गुलशन कुमार पर आरोप लगाए और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान गुलशन कुमार और पुलिस अधिकारियों के बीच भी बहस हो गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्हें खरीदार की शिकायत मिलने के बाद वे वहाँ पहुँचे थे।

गुलशन कुमार का आरोप है कि जिस व्यक्ति ने यह प्लॉट खरीदा है, उसे उनकी कॉलोनी के ही एक अन्य व्यक्ति ने बेचा है, न कि जीके ग्रुप ने। उनका दावा है कि यह प्लॉट उच्च कीमत पर बेचा गया, लेकिन 23 लाख रुपए की कुल राशि कंपनी को नहीं मिली। इसी कारण से यह षड्यंत्र रचा गया और उनके साथ बदसलूकी की गई। उन्होंने इस पूरे मामले की लिखित शिकायत पुलिस को दी है और फोकल प्वाइंट थाना प्रभारी मामले की जांच कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, चौकी इंचार्ज सुनील कुमार ने बताया कि प्रॉपर्टी के खरीदार ने पहले ही शिकायत दी थी कि उसे कम जमीन मिली है और उसके साथ धोखाधड़ी की गई है।